केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
17 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

बस एक तजुर्बा लिया है ज़िन्दगी से अपनो के नज़दीक रहना है तो खामोश रहो और अपनो को नज़दीक रखना है तो कोई भी बात दिल पर मत लो

वर्ष : 17 अंक : 23 | उज्जैन, शुक्रवार 03 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में उज्जैन का 'त्रिनेत्र' मॉडल देश के अन्य शहरों की सुरक्षा एवं स्मार्ट निगरानी व्यवस्था का आधार बनेगा

श्री महाकालेश्वर मंदिर में उज्जैन स्मार्ट सिटी के त्रिनेत्र प्रोजेक्ट को स्वर्ण (गोल्ड) पुरस्कार मिला

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में उज्जैन ने डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित दो दिवसीय 29 वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन में श्री महाकालेश्वर मंदिर में लागू किए गए एआई-आधारित एकीकृत निगरानी तंत्र त्रिनेत्र को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के अंतर्गत प्रतिष्ठित स्वर्ण (गोल्ड) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह सम्मेलन एक और दो जुलाई को आयोजित किया गया।

सम्मेलन के प्रथम दिवस पर कार्यक्रम का शुभारंभ राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया गया, जिसकी थीम विकसित भारत 2047 ~ एआई-सक्षम, डेटा-संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंस रही। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के जिला प्रशासनिक अधिकारियों एवं राज्यों ने अपने-अपने ई-गवर्नेंस नवाचारों का प्रदर्शन किया। इस दौरान कलेक्टर एवं उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के

अध्यक्ष श्री रौशन कुमार सिंह (भा.प्र.से.) द्वारा त्रिनेत्र परियोजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसे उपस्थित विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों द्वारा अत्यधिक सराहा गया।

सम्मेलन के द्वितीय दिवस गुरुवार को आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह (रूश्वर) मुख्य अतिथि के रूप में तथा राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा कलेक्टर श्री सिंह को यह स्वर्ण पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक श्री प्रथम कौशिक, श्री पलाश शर्मा, श्री सचिन जैन एवं आईटी टीम उपस्थित रही। कलेक्टर श्री सिंह ने उज्जैन जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने इस उपलब्धि को मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन तथा सभी के सामूहिक प्रयास तथा निरंतर परिश्रम का परिणाम बताया।

उज्जैन का त्रिनेत्र मॉडल निगरानी व्यवस्था का आधार बनेगा- उज्जैन के लिए इस सम्मेलन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन, भारत सरकार द्वारा कहा गया कि उज्जैन के त्रिनेत्र प्रोजेक्ट को अखिल भारतीय स्तर (All India Level) पर लागू करने हेतु शीघ्र ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह घोषणा उज्जैन में विकसित इस स्वदेशी एआई मॉडल की सफलता एवं देशव्यापी अनुकरणीयता (Replicability) पर केंद्र सरकार की मुहर है – अब उज्जैन का त्रिनेत्र मॉडल देश के अन्य शहरों की सुरक्षा एवं स्मार्ट निगरानी व्यवस्था का आधार बनेगा। यह न केवल उज्जैन, अपितु संपूर्ण मध्यप्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

न्यूज ब्रीफ

केरलम में ट्रैफिक के दौरान आदमी को आया हार्ट अटैक, 2 नर्सों ने बस से उतरकर बचाई जान

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरलम के एर्नाकुलम जिले में दो नर्सों की सूझबूझ से एक व्यक्ति की जान बच गई। व्यक्ति को बीच सड़क पर जाम में फंसे होने के दौरान हार्ट अटैक आया था, तभी ये दोनों नर्स उसके लिए जीवनदायिनी बनकर आईं। अंगमाली के LF हॉस्पिटल की स्टाफ नर्स अंजलि बैजू और बेंगलुरु में नर्सिंग की छात्रा आर्द्रा राज ने चलती हुई KSRTC बस से उतरकर 43 वर्षीय व्यक्ति को CPR दिया और उनकी जान बचाई। एर्नाकुलम की यह घटना बुधवार सुबह MC रोड पर कलाडी पुल के पास हुई। ओक्कल के पास थन्नीपुझा में लॉटरी की दुकान चलाने वाले सिनोज खुद गाड़ी चलाकर अस्पताल जा रहे थे, तभी बीच रास्ते में उनके सीने में तेज दर्द हुआ। ट्रैफिक रुकने पर वे कार के अंदर ही बेहोश हो गए। KSRTC बस में यात्रा कर रही नर्सों ने सड़क पर हो रही हलचल को देखा और जैसे ही उन्हें पता चला कि कोई आदमी बेहोश हो गया है तो वे तुरंत बस से उतरीं, कार के पास पहुंचीं और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन शुरू कर दिया। दोनों नर्सों ने गाड़ी के अंदर ही CPR देना जारी रखा, जब तक कि सिनोज अस्पताल नहीं पहुंच गए। डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल पहुंचने तक उनके ठीक होने की उम्मीद बढ़ गई थी। पेशेंट के टेस्ट करने पर सामने आया कि कोरोनरी आर्टरी (हृदय की धमनी) में ब्लॉकेज था, इसके बाद उनकी इमरजेंसी एंजियोप्लास्टी की गई। उम्मीद है कि आगे के इलाज के लिए उन्हें किसी बड़े मेडिकल सेंटर में शिफ्ट किया जाएगा। सिनोज की जान बचाने में स्थानीय लोगों ने भी मदद की। जब एक राहगीर को पता चला कि सिनोज सीने में दर्द के कारण अस्पताल जा रहे थे तो उसने गाड़ी की स्टीयरिंग संभाल ली, जबकि अन्य लोगों ने गाड़ी को ट्रैफिक से बाहर निकालने और एम्बुलेंस का इंतजाम करने में मदद की।

पीपल के पेड़ से आगे कहां मुड़ना है?, अब गांवों में भी नहीं पूछना पड़ेगा रास्ता

नई दिल्ली/ जीएनएस। पीपल के पेड़ से बाएं मुड़ जाइए... हैंडपंप के पास वाली गली पकड़ लीजिए... चौपाल के पीछे तीसरा घर है। गांवों में किसी पते तक पहुंचने का यही तरीका वर्षों से चला आ रहा है। शहरों में जहां मोबाइल का नेविगेशन कुछ ही क्षणों में मंजिल तक पहुंचा देता है, वहीं गांवों में आज भी रास्ता बताने के लिए पेड़, मंदिर, कुएं और चौपाल जैसी पहचान का सहारा लेना पड़ता है। अब यह तस्वीर बदलने वाली है। पहली बार पंचायतीराज मंत्रालय होल आफ गवर्नमेंट के एप्रोच के साथ कई मंत्रालयों की सहभागिता से गांवों की अंदरूनी सड़कों को नाम, यूनिक कोड और डिजिटल पहचान देने की तैयारी में है। इसके बाद ग्रामीण क्षेत्रों में भी नेविगेशन शहरों जितना सहज होगा और लोगों तक सेवाओं की पहुंच पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगी। यह पहल केवल सड़कों को नाम देने भर की नहीं है, बल्कि गांवों को भी डिजिटल भारत की उस व्यवस्था से जोड़ने की है, जहां किसी पते तक पहुंचने के लिए अब संकेतों की जरूरत नहीं होगी, बल्कि मोबाइल स्क्रीन पर दिख रही सड़क ही मंजिल तक पहुंचा देगी। आज देश के अधिकांश गांवों की अंदरूनी सड़कें किसी मानक नाम या कोड के बिना हैं। यही वजह है कि बाहरी व्यक्ति ही नहीं, डाक, एंबुलेंस, ई-कामर्स कंपनियों और कई सरकारी एजेंसियों को भी सही स्थान तक पहुंचने में कठिनाई होती है। कई बार जीपीएस भी गांव के भीतर पहुंचकर जवाब दे देता है और आगे का रास्ता स्थानीय लोगों से पूछकर ही तय करना पड़ता है। इसी व्यवस्था को बदलने के लिए पंचायतीराज मंत्रालय राष्ट्रीय स्तर पर स्टैंडर्ड जियो-कोडेड विलेज रोड कोडिंग और एड्रेसिंग सिस्टम विकसित कर रहा है।

एफएसएसएआई ने रेड बुल व पेप्सिको सहित छह एनर्जी ड्रिंक कंपनियों को थमाए नोटिस, भ्रामक दावों के खिलाफ कार्रवाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने एनर्जी ड्रिंक बेचने वाली रेड बुल और पेप्सिको इंडिया समेत छह कंपनियों को गलत ब्रांडिंग और भ्रामक दावों के लिए नोटिस जारी किए हैं। एफएसएसएआई ने कहा कि उसने एनर्जी ड्रिंक के लिए कोई मानक अधिसूचित नहीं किया है।

फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने बुधवार को इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा- एफएसएसएआइ ने कई पेय ब्रांडों को नोटिस जारी किए हैं जोकि एनर्जी ड्रिंक होने का दावा करते हैं, उन पर गलत ब्रांडिंग और गुमराह करने वाले दावे करने का आरोप है। इसमें कहा गया कि इन छह ब्रांडों में रेड बुल एनर्जी ड्रिंक, पेप्सिको एड्रेनालाइन रश एनर्जी ड्रिंक, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का कैंपा एनर्जी ड्रिंक- गोल्ड बूस्ट, स्टिंग एनर्जी ड्रिंक, हेल एनर्जी और कोका-कोला का मांस्टर एनर्जी ड्रिंक शामिल हैं।

फिलहाल इन छह ब्रांडों से तुरंत कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी। हाल के दिनों में एफएसएसएआई ने कई फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को गलत ब्रांडिंग और भ्रामक दावों और विज्ञापनों के लिए नोटिस जारी किए हैं। यह उपभोक्ता शिकायतों के आधार पर भी नोटिस जारी कर चुका है।

क्यों बनाया गया राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड? 20 सदस्य होंगे शामिल, नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। लगभग सात साल से कागजी घोड़े दौड़ा रहे केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की नींद आखिरकार सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद टूटी और अंततः उसने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का गठन करते हुए उसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

सड़क सुरक्षा से जुड़ी नीतियों, रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर और राज्यों के साथ समन्वय सहित कई दायित्वों वाले इस महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित बोर्ड का अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी नितिन रमेश गोकर्ण को बनाया गया है। उनके साथ ही बोर्ड में राज्यों के प्रतिनिधियों सहित कुल 20 सदस्य होंगे। लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड की आवश्यकता महसूस की गई और मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में वर्ष 2019 में संशोधन करते हुए एक नई धारा 215बी जोड़ी गई, जो एक सितंबर 2019 से प्रभावी हुई।

इस धारा के अनुसार, केंद्र सरकार के लिए यह कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया गया कि वह एक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का गठन करे।

यह बोर्ड केंद्र व राज्य सरकारों को सड़क सुरक्षा, वाहन सुरक्षा मानकों, सड़क डिजाइन, यातायात प्रबंधन तथा सबसे जोखिम में रहने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं (पैदल यात्री, साइकिल चालक, बच्चे, बुजुर्ग आदि) की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सलाह देगा।

कानूनी प्रविधान होने के करीब दो साल बाद सरकार को सुधि आई तो 3 सितंबर 2021 को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड नियम, 2021 अधिसूचित किए।

इसके बाद वर्ष 2022 में अध्यक्ष व सदस्यों के पदों के लिए दो बार (30 मार्च 2022 तथा 18 अक्टूबर 2022) विज्ञापन भी निकाले गए।

इसके बाद अप्रैल 2023 में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से घोषणा कर दी गई कि पूर्व आइएएस अधिकारी यूपी सिंह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

क्या है UNICORN मास्ट्स? जापान की Ninja Tech से समुद्र में बढ़ेगी भारत की सुरक्षा क्षमता

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और जापान ने अपने पहले रक्षा सह-विकास प्रोजेक्ट नेवल रेडियो एंटीना यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना / NORA-50 इंटीग्रेशन मास्ट (UNI-CORN) की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दोनों देशों के बीच रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी में एक नया अध्याय बताया है।

नई दिल्ली में जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाची के साथ संयुक्त संबोधन में, पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट एक नया अध्याय खोलेगा और दोनों देश संयुक्त रूप से ऐसी रक्षा प्रौद्योगिकियां विकसित करेंगे जो क्षेत्रीय शांति, समुद्री सुरक्षा और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करेंगी। पारंपरिक युद्धपोत के मास्ट के विपरीत UNICORN उन सभी को एक ही रडार डोम में इकट्ठा कर देता है, जिससे जहाज का रडार क्रॉस-सेक्शन काफी कम हो जाता है, जिनमें दर्जनों खुले एंटीना लगे होते हैं।

इस सिस्टम में टैक्टिकल डेटा लिंक टैक्टिकल एयर नेविगेशन सिस्टम, संचार, आइडेंटिफिकेशन फ्रेंड और फो और रडार व संचार इंटरसेप्शन के लिए इलेक्ट्रॉनिक सपोर्ट मेजर्स के एंटीना लगे होते हैं।

इन तत्वों को एक साथ जोड़कर और उन्हें कम-रडार क्रॉस-सेक्शन वाले डोम में बंद करने से, यह मास्ट दुश्मन के लिए पहचानना और वर्गीकृत करना काफी मुश्किल बना देता है, जो ऐतिहासिक रूप से किसी भी युद्धपोत पर सबसे ज्यादा रडार सिग्नल वापस भेजता है।

मैं कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करूंगा, अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने गुरुवार को घोषणा की कि वह ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में अपनी पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, खुर्शीद ने कहा कि मैं पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होऊंगा। उनका यह बयान तेहरान द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, खुर्शीद और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा को निमंत्रण भेजे जाने के एक दिन बाद आया है।

भारत सरकार का प्रतिनिधित्व- तेहरान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। हालांकि, नई दिल्ली ने भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और केंद्रीय मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा को चुना है। 3 जून को ईरानी अधिकारियों ने खामेनेई के लिए तीन दिवसीय सार्वजनिक अंतिम संस्कार आयोजित करने की योजना की घोषणा की थी। सरकारी मीडिया के अनुसार, कई दिनों तक चलने वाले ये अंतिम संस्कार समारोह 4 जुलाई से शुरू होने वाले हैं।

इन अनुष्ठानों में 7 जुलाई को राजधानी तेहरान के दक्षिण में स्थित एक पवित्र शहर कोम में होने वाले कार्यक्रम शामिल होंगे। इसके बाद 9 जुलाई को उत्तर-पूर्वी ईरान में उनके गृहनगर, पवित्र शहर मशहद में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और इसी के साथ यह समारोह संपन्न होगा।

पैसे नहीं मिले तो खुद की ही बनाई पेंटिंग पर पोती कालिख, उदयपुर में सौंदर्यीकरण अभियान की खुली पोल

नई दिल्ली/ जीएनएस। शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए बनाई गई एक आकर्षक वॉल पेंटिंग उस समय विवाद का केंद्र बन गई, जब मेहनताना नहीं मिलने से आहत कलाकार ने अपनी ही बनाई कलाकृति को खराब कर दिया।

नगर निगम के सौंदर्यीकरण अभियान के तहत तैयार की गई करीब 84 हजार रुपये की इस पेंटिंग को कलाकार ने विरोध के प्रतीक में बदल दिया। घटना ने न केवल कलाकारों के भुगतान की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि सार्वजनिक संपत्ति और कला के संरक्षण को लेकर भी नई बहस छेड़ दी है।

भुगतान नहीं मिला तो रंगों से जताया विरोध- कलाकार का आरोप है कि निर्धारित कार्य समय पर पूरा करने के बावजूद उसे तय भुगतान नहीं मिला। कई बार अधिकारियों के चक्कर लगाने और गुहार लगाने के बाद भी जब कोई समाधान नहीं निकला तो उसने उसी दीवार पर अपनी बनाई कला को स्वयं खराब कर दिया। उसका कहना है कि मेहनत की उचित कीमत नहीं मिलने पर यही उसका विरोध दर्ज कराने का तरीका था। मामले पर शहरवासियों की प्रतिक्रिया भी दो हिस्सों में बंटी नजर आई। अधिकांश लोगों ने माना कि कलाकार को समय पर मेहनताना मिलना चाहिए, वहीं कई लोगों का कहना था कि सच्चा कलाकार अपनी ही रचना को नष्ट नहीं करता।

उधर, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने मामले की जांच के आदेश देते हुए कहा कि यदि भुगतान में लापरवाही हुई है तो उसकी जांच होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक कलाकृति को नुकसान पहुंचाना भी उचित नहीं है तथा ठेका सबलेट किए जाने की जानकारी फिलहाल उनके संज्ञान में नहीं है।

कानून सम्मत हिंद-प्रशांत क्षेत्र भारत-जापान की प्राथमिकता, भारत-जापान शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत और जापान के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाईची की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिति को लेकर दोनों नेताओं के बीच काफी विस्तार से बात हुई। दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त, समृद्ध और कानून-आधारित बनाने की साझा प्रतिबद्धता जताई, जो क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत में ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त, समृद्ध और नियम-आधारित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत और जापान विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हैं और क्षेत्र की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक तथा बाजार अर्थव्यवस्थाओं के रूप में दोनों देश मिलकर पूरे क्षेत्र में शांति, स्थिरता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

मोदी ने कहा, आज हमने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, जिनसे हम मिलकर पूरे क्षेत्र में शांति, स्थिरता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

बैठक में भारत व जापान के बीच एआई, रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और आर्थिक सुरक्षा पर संयुक्त रोडमैप बनाने जैसे महत्वपूर्ण समझौते हुए। मोदी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ताकाईची और उनका विश्वास है कि प्रौद्योगिकी साझेदारी दोनों देशों के सहयोग का सबसे मजबूत स्तंभ बनेगी। इसी दृष्टि को साकार करने के लिए आज एआई क्षेत्र में संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। भारतीय एआई इकोसिस्टम के प्रमुख संस्थानों ने जापानी पार्टनर्स के साथ समझौते किए हैं। जापान की प्रेसिजन टेक्नोलॉजी और भारत की सॉफ्टवेयर क्षमता का संगम वैश्विक एआई विकास को नई गति देगा।

रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों ने पहला साझा विकास की परियोजना पर समझौता किया। नौसेना रेडियो एंटीना की यह परियोजना रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारी में नया अध्याय खोलेगी। इससे क्षेत्रीय शांति, समुद्री सुरक्षा और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। फार्मा, मेडिकल डिवाइसेज और बायो-टेक क्षेत्र में हुए समझौतों से वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान बढ़ेगा।

वर्षाकाल में जलजमाव को रोकने और ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए कलेक्टर ने ली बैठक

किसी भी स्थिति में जलजमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बने कलेक्टर श्री वर्मा ने दिए अधिकारियों को निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में वर्षाकाल के दौरान जलजमाव और ट्रैफिक जाम की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज व्यवस्थाओं से जुड़े विभागों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने वर्षा के दौरान जलजमाव और ट्रैफिक जाम की समस्याओं की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए जिससे किसी भी स्थिति में जलजमाव और ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बने। लापरवाही पाये जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उक्त समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के संयुक्त दल बनाये जाने के निर्देश भी दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, डीसीपी ट्रैफिक श्री राजेश त्रिपाठी, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित नगर निगम, यातायात पुलिस, एमपीआरडीसी, पीडब्ल्यूडी, एमपीईबी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी नालों, चैनलों, तालाबों के आसपास तथा जलभराव वाले स्थलों की साफ-सफाई तत्काल की जाए ताकि जलभराव व ट्रैफिक जाम की स्थिति न बने । साथ ही स्टॉर्म वॉटर लाइन एवं ड्रेनेज सिस्टम की सफाई भी प्राथमिकता से की जाए, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति निर्मित न हो।

साथ ही कलेक्टर श्री वर्मा ने सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि आवश्यक पैचवर्क, डामरीकरण एवं सड़क मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि बारिश के दौरान गड्ढों एवं जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। इन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं फॉलोअप भी किया जाएगा। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए तथा जहां भी पानी भरने की समस्या हो, वहां तत्काल पंप लगाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि किसी भी स्थिति में जलभराव के कारण यातायात बाधित नहीं होना चाहिए और आमजन की सुगमता एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि चिन्हित दुर्घटना संभावित (एक्सीडेंटल) एवं जलभराव वाले स्थानों पर आज शाम से लेकर कल तक आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संबंधित विभाग अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें। यदि लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में राहत स्थलों की समीक्षा भी की गई। निर्देश दिए गए कि आवश्यकता पड़ने पर राहत शिविर तत्काल प्रारंभ किए जा सकें, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। इसके अलावा पिकनिक स्थलों पर विशेष निगरानी रखने, पुल-पुलियों पर संकेतक लगाने, बाढ़ की स्थिति में सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित की जाए।

जिले में संभावित अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री वर्मा ने संबंधित विभागों को पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला आपदा नियंत्रण कक्ष का 24x7 संचालन सुनिश्चित करते हुए स्थिति की सतत निगरानी रखें। जिला आपदा प्रबंधन योजना एवं बाढ़ संबंधी आकस्मिक कार्ययोजना की समीक्षा कर आवश्यकतानुसार अद्यतन कार्यवाही सुनिश्चित करें। पुलिस, होमगार्ड, एसडीआरएफ, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों को पूर्ण सतर्कता की स्थिति में रखा जाए। संवेदनशील एवं बाढ़ संभावित क्षेत्रों में आवश्यक बचाव उपकरण, नाव, राहत सामग्री, चिकित्सा दल एवं अन्य संसाधनों की अग्रिम उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। नदी, बांध, जलाशय एवं नालों के जलस्तर की सतत निगरानी संबंधित विभागों के समन्वय से की जाए। मौसम संबंधी चेतावनियों एवं जन-सुरक्षा संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया, स्थानीय मीडिया, एसएमएस, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली एवं अन्य उपलब्ध माध्यमों से समय पर कराया जाए। आवश्यकतानुसार राहत शिविरों, सुरक्षित आश्रय स्थलों एवं संभावित निकासी (Evacuation) की तैयारियाँ पूर्ण रखें। जलभराव, सड़क अवरोध, विद्युत, पेयजल, संचार एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की त्वरित बहाली हेतु संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित रखें। नागरिकों को नदी, नालों, पुल-पुलियों, जलभराव वाले क्षेत्रों एवं अन्य जोखिमयुक्त स्थानों से दूर रहने तथा अत्यावश्यक होने पर ही यात्रा करने संबंधी सलाह जारी की जाए।

एमपी ट्रांसको ने ऊर्जीकृत किया 50 एमवीए क्षमता का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के उपक्रम मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी(एमपी ट्रांसको) ने प्रदेश की पारेषण व्यवस्था को सुदृढता प्रदान करते हुए 132 केवी सबस्टेशन श्यामपुर(सिहोर) की क्षमता वृद्धि की है। जहाँ 50 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे ऊर्जीकृत किया गया है।इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से सबस्टेशन में बढ़ते लोड का उचित प्रबंधन किया जा सकेगा। एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री राजेश शांडिल्य ने बताया कि एमपी ट्रांसको प्रदेश में अपने 417 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है जिसमें 400 केवी के 14 सब स्टेशन, 220 केवी के 88 सबस्टेशन एवं 132 केवी के 315 सबस्टेशन शामिल हैं। एमपी ट्रांसको के प्रदेश में कुल 1053 पावर ट्रांसफार्मर क्रियाशील है जिसमें 400 केवी के 41, 220 के वी वोल्टेज लेवल के 220 और 132 के वी के 792 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। इस 50 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से एमपी ट्रांसको की कुल ट्रांसफारमेशन कैपेसिटी (पारेषण क्षमता) बढ़ाकर 85298 एम वी ए की हो गई है।

रेल परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेने रतलाम मंडल पहुंचे पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, समय-सीमा में कार्य पूरे करने के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय ने रतलाम मंडल प्रवास के दूसरे दिन डॉ. अंबेडकर नगर - ओंकारेश्वर रेलखंड के गेज परिवर्तन कार्य, इंदौरङ्कदाहोद नई रेल लाइन परियोजना, निर्माणाधीन सुरंग और नर्मदा नदी पर बन रहे रेल पुल सहित विभिन्न महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने सबसे पहले डॉ. अंबेडकर नगरङ्कओंकारेश्वर रेलखंड पर चल रहे गेज परिवर्तन कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओंकारेश्वर रोड रेलवे स्टेशन पर निर्मित नए स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, विद्युतीकरण एवं सिग्नलिंग कार्यों का जायजा लिया। साथ ही नर्मदा नदी पर निर्माणाधीन रेल पुल का निरीक्षण कर अधिकारियों से प्रगति की जानकारी प्राप्त की और कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

इसके बाद श्री पाण्डेय ने इंदौरङ्कदाहोद नई रेल लाइन परियोजना के तहत निर्माणाधीन लगभग तीन किलोमीटर लंबी सुरंग का निरीक्षण किया। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर तथा धार विधायक श्रीमती नीना विक्रम वर्मा भी मौजूद रहीं। अधिकारियों ने बताया कि सुरंग के लगभग 1,200 मीटर हिस्से में रेल लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य तेजी से जारी है। महाप्रबंधक एवं जनप्रतिनिधियों ने ट्रॉली के माध्यम से सुरंग का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में 25892 घर विद्युतीकृत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में जनजातीय बहुल 25 हजार 892 घर अब तक विद्युतीकृत किये जा चुके हैं। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 8737, मध्य क्षेत्र ने 4097 और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 13 हजार 58 घरों को विद्युतीकृत किया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा आदिवासी बहुल गांवों (500 या अधिक की आबादी वाले और कम से कम 50 प्रतिशत अनूसूचित जनजाति वाले गांव) में आदिवासी परिवारों सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान योजना प्रारंभ की गई है। इस मिशन में गैर-विद्युतीकृत आदिवासी घरों का विद्युतकरण शामिल है। घरेलू विद्युतीकरण का कार्यान्वयन विद्युत मंत्रालय की रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) द्वारा किया जा रहा है। इसमें 40 प्रतिशत व्यय राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में 2,548 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के पदों पर होगी भर्ती

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर पोषण प्रबंधन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश की विभिन्न बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी सहायिकाओं की बड़े पैमाने पर भर्ती करने का निर्णय लिया है। राज्य के विभिन्न जिलों में कुल 2,548 पदों पर योग्य महिला अभ्यर्थियों की नियुक्तियां की जा रही हैं। भर्ती में स्थानीय पात्रताधारियों को प्राथमिकता मिलेगी। कुल रिक्तियों में से 781 पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए और 1,767 पद आंगनवाड़ी सहायिकाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं। इन पदों पर चयन के लिए पारदर्शिता और स्थानीय प्रतिनिधित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। नियमों के मुताबिक, आवेदिका का उसी राजस्व ग्राम या शहरी वार्ड का निवासी होना अनिवार्य है, जहां का पद रिक्त है। किसी अन्य ग्राम या वार्ड की महिला इस प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र नहीं मानी जाएगी। इससे स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता मिलने से मैदानी स्तर पर सेवाओं का कुशल संचालन सुनिश्चित हो सकेगा। भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी रहेगी। इसमें एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से ही आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। इच्छुक महिला अभ्यर्थी चयन पोर्टल पर जाकर 1 जुलाई 2026 से अपने आवेदन पत्र ऑनलाइन जमा कर सकती हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि भरे गए फॉर्म में किसी भी प्रकार के त्रुटि सुधार के लिए 15 जुलाई 2026 तक का समय दिया जाएगा। विभाग द्वारा स्पष्ट किया है कि केवल पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों को ही स्वीकार किया जाएगा। किसी भी स्तर के कार्यालय में ऑफलाइन भेजे गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा के मापदंडों के अनुसार, दोनों ही पदों के लिए आवेदिकाओं का हायर सेकेंडरी अर्थात 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अन्य राज्यों या अशासकीय बोर्डों की अंकसूचियों को तभी मान्यता दी जाएगी जब वे माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश की समकक्षता सूची में शामिल हों। साथ ही 1 जनवरी 2026 की स्थिति में आवेदिका की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होना आवश्यक है, जिसकी पुष्टि के लिए 10वीं बोर्ड की अंकसूची संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन के दौरान सभी आवश्यक प्रमाण-पत्र पीडीएफ प्रारूप में अपलोड करने होंगे, जिसके लिए निर्धारित शुल्क 100 रुपये और 18 प्रतिशत जीएसटी तय किया गया है।

दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, ढाई लाख की सोने की ज्वेलरी बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कनाड़िया थाना पुलिस ने दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गई सोने की ज्वेलरी और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए इस चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मयंक अवस्थी के निर्देश पर शहर में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री अमरेन्द्र सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त खजराना के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कनाड़िया श्री सहर्ष यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस के अनुसार 22 जून 2026 को फरियादी शिवशंकर विजयवर्गीय ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वैभव नगर स्थित उनकी चंद्रिका ज्वेलर्स दुकान पर शाम करीब 5 बजे एक युवक बिना नंबर की शाइन मोटरसाइकिल से पहुंचा। युवक ने चेहरे पर मास्क और सिर पर टोपी पहन रखी थी। उसने ज्वेलरी खरीदने के बहाने सोने के आभूषण देखने शुरू किए और मौका मिलते ही एक सोने की चेन तथा दो सोने की अंगूठियां उठाकर मोटरसाइकिल से फरार हो गया। शिकायत के आधार पर कनाड़िया थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध मुन्ना पिता बल्ला बारिया (25 वर्ष) निवासी ग्राम बोराली, जिला बड़वानी एवं वर्तमान निवासी ग्राम कनाड़िया को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गई एक सोने की चेन, दो सोने की अंगूठियां तथा घटना में प्रयुक्त शाइन मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त किए गए मशरूका की कुल कीमत लगभग 2.50 लाख रुपये बताई गई है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सहर्ष यादव, प्रधान आरक्षक रविन्द्र रघुवंशी, प्रधान आरक्षक विजय चौबे, प्रधान आरक्षक शिवकुमार यादव, आरक्षक जगदीश दांगी, कुलदीप, आनंद जाट तथा साइबर सेल जोन-2 के आरक्षक प्रवीण सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान पहुंचा बाजार, मंडी, स्कूल और फैक्ट्रियों तक, इंदौर पुलिस ने दिया साइबर सुरक्षा का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस के ÷सेफ क्लिक 2.0÷ अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शहरभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में गुरुवार को पुलिस टीमों ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों, मंडियों, बाजारों, स्कूलों, कॉलेजों, फैक्ट्रियों, ऑटो स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर हजारों नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

अभियान के दौरान थाना मल्हारगंज पुलिस ने ख्र्क्र फार्मेसी प्राइवेट लिमिटेड में कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी दी। थाना हीरानगर पुलिस ने आईटीआई कॉलेज में विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। थाना छत्रीपुरा पुलिस ने नरसिंह बाजार और एक पेट्रोल पंप पर व्यापारियों, संचालकों एवं ग्राहकों को साइबर ठगी से बचने के तरीके समझाए।

थाना एमजी रोड पुलिस ने शासकीय महाराजा स्कूल में विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। वहीं थाना छोटी ग्वालटोली पुलिस ने ऑटो स्टैंड पर ऑटो चालकों को डिजिटल भुगतान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। थाना रावजी बाजार पुलिस ने अनाज मंडी में व्यापारियों, हम्मालों और कामगारों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए।

इसी तरह थाना आजाद नगर पुलिस ने ब्रांड कॉन्सेप्ट बैग फैक्ट्री में कर्मचारियों और प्रबंधन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। थाना एमआईजी ने कृष्णा विद्या निकेतन स्कूल, थाना खजराना ने श्री चैतन्य स्कूल तथा थाना बाणगंगा ने महावीर हाई स्कूल, भागीरथपुरा में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने नागरिकों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और कामगारों को ओटीपी फ्रॉड, क्यूआर कोड स्कैम, फर्जी लिंक एवं एपीके फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया हैकिंग, निवेश के नाम पर ठगी, फर्जी कॉल और ऑनलाइन पेमेंट फ्रॉड जैसे साइबर अपराधों से बचने के व्यावहारिक उपाय बताए। साथ ही किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया।

इंदौर पुलिस द्वारा संचालित साइबर जागरूकता रथ भी लगातार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से साइबर सुरक्षा संबंधी वीडियो, संदेश और जागरूकता सामग्री प्रसारित कर रहा है। पुलिस का उद्देश्य सोचें-समझें-क्लिक करें का संदेश शहर के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाकर सुरक्षित और जागरूक डिजिटल समाज का निर्माण करना है।

वाटर हार्वेस्टिंग बना जनआंदोलन, 10% टैक्स छूट से इंदौर में बढ़ी वर्षा जल संचयन की पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में नगर निगम की पहल अब शहर में सकारात्मक बदलाव के रूप में दिखाई देने लगी है। अपने घर, कार्यालय, भवन अथवा व्यावसायिक परिसर में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने वाले संपत्ति मालिकों को नगर निगम द्वारा संपत्ति कर में 10 प्रतिशत की छूट दिए जाने का लाभ मिल रहा है। इस प्रोत्साहन का असर यह है कि शहरभर में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

इसी अभियान के तहत महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम के जोनल अधिकारियों के साथ रीगल चौराहा और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न आवासीय भवनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और कार्यालय परिसरों में स्थापित वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का अवलोकन कर उनकी कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने वाले भवन स्वामियों की सराहना करते हुए उन्हें इंदौर का जागरूक नागरिक बताया। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने अनुभव अन्य लोगों के साथ साझा करें और अधिक से अधिक नागरिकों को अपने भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित करें, ताकि जल संरक्षण का यह अभियान और व्यापक स्वरूप ले सके।

महापौर ने कहा कि पिछले ग्रीष्मकाल में भूजल स्तर में गिरावट के कारण शहर के कई क्षेत्रों में बोरवेल सूख गए थे, जिससे पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न हुई थी। इसी चुनौती से निपटने के लिए नगर निगम ने नागरिकों के सहयोग से प्रत्येक भवन में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने का अभियान शुरू किया था। अब इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं और शहर में वर्षा जल संचयन को लेकर लोगों की जागरूकता लगातार बढ़ रही है।

नगर निगम को उम्मीद है कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और 10 प्रतिशत संपत्ति कर छूट जैसी प्रोत्साहनकारी योजनाओं के माध्यम से आने वाले वर्षों में भूजल संरक्षण को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा इंदौर जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के लिए एक आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा।

बिजलपुर कंट्रोल रूम पहुंचे नगर निगम आयुक्त, जलापूर्ति और वर्षा जल संरक्षण कार्यों का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने गुरुवार सुबह शहर की नर्मदा जल प्रदाय व्यवस्था की समीक्षा के लिए बिजलपुर स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जलापूर्ति व्यवस्था की जानकारी ली और निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में शहर में पेयजल आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए।

समीक्षा बैठक में आयुक्त ने जलूद क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने के कारण पंप संचालन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिजली बाधित होने जैसी परिस्थितियों में वैकल्पिक व्यवस्थाएं पहले से तैयार रखी जाएं, ताकि जल प्रदाय व्यवस्था प्रभावित न हो। साथ ही टंकियों को समय पर भरने, क्षेत्रवार जल वितरण की लगातार निगरानी करने और किसी भी समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक के बाद आयुक्त श्री सिंघल ने रामचंद्र नगर, सीताश्री अपार्टमेंट, साधना नगर और कॉलोनी नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर नगर निगम एवं नागरिकों के सहयोग से स्थापित रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तथा रिचार्ज शाफ्ट निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को इनके नियमित रखरखाव और प्रभावी संचालन के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तभी प्रभावी होंगे, जब वर्षा का पानी बिना किसी अवरोध के उनमें पहुंचे। इसके लिए उन्होंने सभी हार्वेस्टिंग संरचनाओं तक वर्षा जल पहुंचाने वाली नालियों का निर्माण, उनकी नियमित साफ-सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिकतम वर्षा जल का संचयन और भूजल पुनर्भरण हो सके।

श्री सिंघल ने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नगर निगम शहर में बड़े स्तर पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और रिचार्ज शाफ्ट के निर्माण के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने नागरिकों से भी अपने घरों, संस्थानों और व्यावसायिक परिसरों में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने तथा जल संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

प्रदेश सरकार का विकसित भारत गारंटी मिशन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देगा नई मजबूती - जनपद अध्यक्ष

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद जनपद पंचायत के ग्राम सुवाखेड़ा में गुरुवार को %विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन% का जनपद स्तरीय शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष गोपाल चारण ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास, युवाओं को रोजगार, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रभावी योजनाएं संचालित कर रही है। यह मिशन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

गोपाल चारण ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि गांव का प्रत्येक पात्र व्यक्ति शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करे। विकसित भारत गारंटी मिशन के माध्यम से मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, कौशल विकास तथा स्वरोजगार योजनाओं को एक मंच पर लाकर ग्रामीणों तक सीधे लाभ पहुंचाया जाएगा। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, युवाओं को अपने गांव में ही आजीविका मिलेगी तथा पलायन पर प्रभावी रोक लगेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। पंचायत स्तर पर चरणबद्ध तरीके से मिशन का विस्तार कर प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जिला भाजपा उपाध्यक्ष श्याम सुंदर काबरा, भाजपा मंडल अध्यक्ष सचिन गोखरू, जनपद सदस्य पूरणमल अहीर, दुर्गाशंकर बैरागी, सरपंच इंदिरा यशवंत यादव, सरपंच प्रतिनिधि यशवंत यादव, सचिव कमलेश धाकड़ कैलाश बंजारा नरेंद्र सिंह चुंडावत सहित जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, महिला समूहों की सदस्याएं, किसान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तथा मिशन का सीधा प्रसारण भी ग्रामीणों ने देखा।

अठाना क्षेत्र में रुक-रुककर हुई अच्छी बारिश, किसानों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अठाना क्षेत्र मेंगुरुवार को सुबह लगभग 4ः बजे से 8 बजे तक क्षेत्र में रुक-रुककर अच्छी वर्षा का दौर जारी रहा। कभी तेज तो कभी मध्यम बारिश ने मौसम को पूरी तरह सुहावना बना दिया। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली, वहीं पूरे क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस बारिश से खरीफ फसलों के लिए संजीवनी समान लाभ मिला है। जिन किसानों ने सूखे खेतों में साहस कर मक्का, सोयाबीन, उड़द एवं अन्य खरीफ फसलों की बुवाई कर दी थी, उनके खेतों में नमी आने से फसलों के अंकुरण और बढ़वार के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। किसानों का कहना है कि यह वर्षा समय पर हुई है, जिससे अच्छी पैदावार की उम्मीद बढ़ गई है। बारिश के चलते वातावरण में ठंडक घुल गई और लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। यदि आगामी दिनों में भी इसी प्रकार नियमित वर्षा होती रही तो खरीफ सीजन के लिए यह अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी और किसानों के चेहरे पर खुशहाली लौट आएगी।

सिंगोली में मानवता की मिसालः गहरे खड्डे में गिरी गौमाता को 2 घंटे की मशक्कत के बाद बचाया

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में गुरुवार को इंसानियत की एक मिसाल देखने को मिली। ब्राह्मणी नदी स्थित पटियाल पंचायत मार्ग पर बंधे वाली दरगाह के पास एक गौमाता अचानक गहरे खड्डे में गिर गई और बुरी तरह फंस गई।

दोपहर करीब 3ः00 बजे गौप्रेमी गोविन्द खटीक ने इसकी सूचना ÷नगर विकास एवं सूचना सिंगोली व्हाट्सएप ग्रुप में दी। सूचना मिलते ही घनश्याम लबाना सबसे पहले मौके पर पहुंचे और उन्होंने अन्य गोभक्तों को भी सूचित किया। जानकारी लगते ही स्थानीय गोभक्त और नागरिक तुरंत घटनास्थल पर एकत्र हो गए। सभी ने बिना समय गंवाए रस्सी की सहायता से रेस्क्यू शुरू किया। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत और अथक प्रयास के बाद गौमाता को सकुशल सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बाहर आते ही गौमाता स्वस्थ नजर आई।

इस सराहनीय कार्य में इन गोभक्तों ने सहयोग कियाः घनश्याम लबाना, विजय शर्मा, वार्ड 15 पार्षद प्रतिनिधि गोपाल धोबी, राधेश्याम धाकड़, नन्दकिशोर प्रजापत, बाल किशन धाकड़, डालु धाकड़, पिंटू पाण्डे, दीपक शर्मा, हुसैन भाई, राकेश लौहार सहित कई स्थानीय नागरिक।

मौके पर जुटे सभी लोगों की तत्परता और सेवा-भावना की पूरे कस्बे में प्रशंसा हो रही है। उनकी सूझबूझ से एक बेजुबान पशु का जीवन बच गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने कहाः ÷गौमाता हमारी आस्था का प्रतीक हैं। इन्हें बचाना हमारा धर्म है। सभी साथियों का सहयोग सराहनीय रहा।

नीमच पहुंचे भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का सम्मान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनसंघ जन सहयोग मंच के पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों ने भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के नीमच आगमन पर उनके निजी कार्यालय पहुंचकर पुष्पमाला व भाजपा गमछा पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री सुखलाल पंवार का भी पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मान करते हुए उनका अवतरण दिवस मनाया गया।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए पवन पाटीदार ने कहा कि संगठन और मोर्चे भले अलग-अलग हों, लेकिन सभी कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा का लक्ष्य देश के हर गांव, शहर और क्षेत्र तक संगठन को मजबूत कर विकास की धारा पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार और जनसेवा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जनसंघ जन सहयोग मंच के प्रदेश मंत्री चंद्रशेखर जायसवार, मिशन न्यू इंडिया के प्रदेश सहसचिव रोहित माली, प्रदेश मंत्री दिलीप लालवानी, प्रदेश सचिव एवं भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दुर्गाशंकर दशाणा, भाजपा राष्ट्रीय मुस्लिम महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता रईस पटवा, अल्पसंख्यक संगठन के राष्ट्रीय सदस्य शकील मंसूरी, जिला महामंत्री कारूलाल गायरी, निवेश सैन (भड़भड़िया), समाजसेवी पप्पू जायसवार (अजमेर), मुकेश यादव, पंकज बैरागी, अंकित श्रीवास्तव सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

नवी मुंबई में कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक पर बैठक हुई, जेपीसी समिति चेयरमेन सांसद सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में नियम सरल बनाने पर जोर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक-2026 को लेकर नवी मुंबई में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की एक महत्वपूर्ण और विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के चेयरमेन एवं मंदसौर लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता ने की। बैठक में विधेयक के विभिन्न प्रावधानों, उनके संभावित प्रभावों तथा उद्योग जगत, निवेशकों और छोटे उद्यमियों पर पड़ने वाले असर को लेकर गहन चर्चा की गई।

बैठक में समिति के सदस्यों ने कॉरपोरेट क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही, अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाने और कारोबारी माहौल को अधिक अनुकूल बनाने जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। चर्चा के दौरान यह भी रेखांकित किया गया कि बदलते आर्थिक परिदृश्य में कानूनों को समयानुकूल, व्यवहारिक और विकासोन्मुख होना चाहिए, ताकि देश की औद्योगिक प्रगति को नई गति मिल सके। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी समिति के सभी सदस्यों से मुलाकात की और राज्य में निवेश, उद्योग विस्तार तथा रोजगार सृजन से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। बैठक में सांसद विनोद तावड़े सहित कई गणमान्य सांसद साथी उपस्थित रहे। सभी ने विधेयक के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा की। बैठक के दौरान देश के आर्थिक विकास, निवेश को प्रोत्साहन, व्यापार में सुगमता, स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए नए अवसरों के सृजन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। समिति के चेयरमेन श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य देश में 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' को और अधिक मजबूत बनाना है, ताकि उद्योगों के लिए प्रक्रियाएं सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी बन सकें। उन्होंने कहा कि आज भारत तेजी से वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है और ऐसे समय में कॉरपोरेट कानूनों का ऐसा ढांचा आवश्यक है, जो विकास को प्रोत्साहित करे, अनुपालन बोझ को कम करे और उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे। उन्होंने यह भी कहा कि कानूनों का उद्देश्य केवल नियंत्रण नहीं, बल्कि सुविधा और विश्वास का वातावरण तैयार करना भी होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि छोटे और मध्यम उद्योग केवल आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे देश के सामाजिक और औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं। यदि इन उद्यमों को उचित नीति, सरल अनुपालन और समय पर सहायता मिले, तो वे न केवल उत्पादन बढ़ाएंगे बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेंगे। सुधीर गुप्ता ने कहा कि जब छोटे उद्योग सशक्त होंगे, तभी आत्मनिर्भर भारत का संकल्प साकार होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि समिति का प्रयास है कि कॉरपोरेट कानूनों में ऐसे सकारात्मक, संतुलित और व्यावहारिक संशोधन किए जाएं, जो उद्योग, व्यापार, निवेश और रोजगार—तीनों क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करें। उन्होंने विश्वास जताया कि इस विधेयक पर होने वाली विस्तृत चर्चा देश के आर्थिक भविष्य को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगी। अंत में समिति ने यह संकल्प दोहराया कि कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक-2026 पर सभी हितधारकों के सुझावों को गंभीरता से परखा जाएगा, ताकि ऐसा संतुलित और प्रभावी कानून तैयार हो सके, जो देश की आर्थिक प्रगति, निवेश आकर्षण और रोजगार सृजन के लक्ष्यों को नई दिशा दे सके।

जिले में कांग्रेस संगठन गठन के बाद मंदसौर में पंचायत एवं वार्ड कमेटियों के सत्यापन का अभियान शुरू-गुर्जर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगठन सृजन के तहत मंदसौर जिले में कांग्रेस संगठन का बुथ एवं पंचायत स्तर तक शत प्रतिशत गठन कर लिया गया है। अब पंचायत एवं वार्ड कमेटियों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

गुरुवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्रसिंह गुर्जर ने सीतामऊ व सुवासरा ब्लाक में पंचायत कमेटियो का सत्यापन किया। इसके साथ ही शामगढ ब्लाक की मासिक बैठक भी आयोजित हुई। जिसमें नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर तीनो ब्लाको में आयोजित कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्रसिंह गुर्जर ने कहा कि मंदसौर जिले में कांग्रेस संगठन का शत प्रतिशत गठन कर लिया गया है। अब संगठन सृजन के तहत पंचायत एवं वार्ड कमेटियों का पुरे जिले में सत्यापन किया जाएगा। मंदसौर जिले में संगठन सृजन के बाद पहली बार यह प्रक्रिया की जा रही है। उन्होने कहा कि कांग्रेस संगठन के विस्तार के साथ ही एकता, एकजुटता , समन्वय एवं अनुशासन को भी सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा गया है। इसके साथ ही सक्रियता को संगठन में महत्व दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि देश में लोकतांत्रिक एवं संवेधानिक मुल्यों पर गंभीर प्रहार हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपनी पुरी शक्ति के साथ केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार के विरुध्द संघर्ष करना होगा। श्री गुर्जर ने कहा कि वोट चोरी, सीट चोरी, पेपर चोरी के साथ अब चढावा चोरी भी हो रही है। आम जनता का भाजपा के प्रति विश्वास भंग हो गया है। उन्होने कहा कि निकाय व पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां शुरु करे। उन्होने कहा कि राज्यसभा में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त करना संवेधानिक मुल्यों का हनन है। इस मुद्दे पर कांग्रेस हर स्तर पर लडाई लडेगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस के संगठन महासचिव अजय लोढा ने कहा कि मंदसौर जिले में 468 पंचायत कमेटियों का गठन कर लिया गया है। शीघ्र संगठन को और विस्तार किया जाएगा। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार के खिलाफ अनेक मुद्दे है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुटता के साथ भाजपा सरकार के खिलाफ लडाई लडना होगी। कांग्रेस नेता राकेश पाटीदार ने कहा कि भाजपा से लोग त्रस्त हो गए है। लगातार लडाई लडना होगी। निकाय व पंचायत चुनाव जितने पर विधानसभा व लोकसभा चुनाव भी जीतेंगे। जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रवीण मांगरिया, जिला महासचिव सुरेश पाटीदार, श्यामसिंह चौहान, सुवासरा ब्लाक अध्यक्ष राहुल जैन, सीतामऊ ब्लाक अध्यक्ष हनुमन्तसिंह, शामगढ ब्लाक अध्यक्ष किशोरसिंह पंवार, कांग्रेस नेता ओमसिंह भाटी, गोविन्दसिंह पंवार, भुवनेश्वरसिंह, विनय राजोरिया, महेश पाटीदार, ईश्वर सूर्यवंशी, गुलनवाज खान, अजा जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल सिसोदिया, दुल्हेंसिंह किलगारी, मेलखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश धाकड़, सुमित्रा देसाई, कृपाल सिंह, राजू पाटीदार, हर्ष पाटीदार, प्रकाश गेहलोद, रामसिंह मेहर, जगदीश मेहता, मंडलम अध्यक्ष श्याम शर्मा, पवन शर्मा आदि ने भी सम्बोधित किया।

मेनका गांधी द्वारा जैन साधु-साध्वियों के पवित्र पिच्छिका के संबंध में दिए गए बयान पर कार्रवाई हेतु सकल जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सकल जैन समाज द्वारा मेनका गांधी द्वारा दिगम्बर जैन साधु-साध्वियों के पवित्र पिच्छिका के संबंध में दिए गए बयान पर कार्रवाई एवं एफआईआर दर्ज करने हेतु सकल जैन समाज ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जिला प्रशासन की प्रतिनिधि अपर कलेक्टर एकता जायसवाल को एक ज्ञापन सौंपा।

सकल जैन समाज के संयोजक सुरेन्द्र लोढा ने बताया कि जैन समाज अहिंसा का पालन करने का समाज है और समाज के साधु संत तो अहिंसा के प्रचारक है वे तो ठंड, गर्मी, बारिश में भौतिक साधनों का उपयोग तक नहीं करते है ऐसे में दिगम्बर जैन साधु-साध्वियों के पवित्र पिच्छिका पर मेनका गांधी द्वारा दिया गया बयान अस्वीकार्य है और उनके बयान से पूरे समाज में रोष व्यापत है। अध्यक्ष लोकेन्द्र कुमार जैन गोटावाला ने बताया कि हैं। मेनका गांधी द्वारा यह आरोप लगाया गया है कि दिगम्बर जैन साधु-साध्वियों द्वारा उपयोग की जाने वाली पिच्छिका के कारण मोरों की हत्या की जाती है। यह कथन पूर्णतः निराधार, असत्य एवं जैन धर्म की परम्पराओं के विपरीत है। जैन धर्म अहिंसा, करुणा एवं जीव दया का सर्वोच्च संदेश देता है। जैन साधु-साध्वियाँ किसी भी प्रकार की हिंसा से दूर रहते हैं तथा उनकी पिच्छिका प्राकृतिक रुप से मोर के गिरे हुए पंखों से बनाई जाती है। किसी भी जीव या पक्षी की हत्या कर पंख प्राप्त करना जैन सिद्धांतों के सर्वथा विरुद्ध है। श्रीमती मेनका गांधी के इस गैर-जिम्मेदाराना एवं तथ्यहीन व्यक्तव्य से करोड़ों जैन श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है तथा समाज में भ्रम फैलाने का प्रयास हुआ है। ज्ञापन के दौरान समाजजनों ने मांग की कि मेनका गांधी के विषयान्तर्गत बयान की जांच कराई जाए। उनसे जैन समाज से सार्वजनिक रुप से क्षमा याचना करने के लिए कहा जाए। भविष्य में किसी भी धर्म एवं धार्मिक परंपरा के संबंध में भ्रामक एवं असत्य जानकारी प्रसारित करने वालों के विरुद्ध उचित कार्यवाई सुनिश्चित की जाए । जैन समाज की धार्मिक भावनाओं एवं परम्पराओं के सम्मान की रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाए जाए। ज्ञापन का वाचन सकल जैन समाज के अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने किया। इस अवसर पर सकल जैन समाज के महामंत्री शेखर कासमा, अरविन्द मेहता, राजमल गर्ग, अनिल कियावत, मनीष सेठी, प्रताप कोठारी, अनिल जैन (नगरी वाला), प्रवक्ता विजेन्द्र फांफरिया, कमलेश कटारिया, श्रीमती विनाली मेहता, विजय सुराणा, अनिल जैन सांवरिया, मनोहर नाहटा , संदीप जैन सहित बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

25 वर्षीय ट्रैक्टर चालक की संदिग्ध मौत से सनसनी, इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती और प्रेम प्रसंग को लेकर परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सिंगोली रोड स्थित सुलाबावजी मंदिर के समीप सड़क किनारे एक खेत में बुधवार सुबह 25 वर्षीय युवक का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए पहले सिंगोली अस्पताल भिजवाया, बाद में चिकित्सकों के पैनल द्वारा जिला चिकित्सालय नीमच में पोस्टमार्टम कराया गया।

मृतक की पहचान दयाल सिंह पिता कमल सिंह (25) निवासी ग्राम उगरान, थाना जीरन के रूप में हुई है। वह ट्रैक्टर चालक के रूप में कार्यरत था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दयाल सिंह का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिला, जबकि उसके दोनों पैर भी रस्सी से बंधे हुए थे। शरीर पर चोट के निशान होने की बात भी सामने आई है। इन परिस्थितियों को देखते हुए परिजनों ने मामले को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।

देर शाम पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर जिला चिकित्सालय नीमच पहुंचे, जहां कांग्रेस जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती भी पहुंचे और परिजनों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

मृतक के अंकल विक्रम सिंह, बड़े भाई नारायण सिंह तथा परिजन दारा सिंह ने बताया कि दयाल सिंह की इंस्टाग्राम के माध्यम से एक युवती से पहचान हुई थी, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। परिजनों का आरोप है कि इसी संबंध को लेकर कुछ समय पहले मंदसौर टोल टैक्स के पास दयाल के साथ मारपीट की गई थी। उनका कहना है कि इसके बाद भी उसे लगातार परेशान और प्रताड़ित किया जाता रहा।

परिजनों के अनुसार घटना से दो-तीन दिन पहले भी कुछ लोग दयाल को डराने और धमकाने पहुंचे थे। दयाल काफी डरा हुआ था और उसने परिजनों को बताया था कि संबंधित युवती भी उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है। हालांकि उसने पूरे मामले की विस्तृत जानकारी किसी को नहीं दी थी।

बुधवार सुबह पुलिस ने परिजनों को सूचना दी कि दयाल सिंह का शव सिंगोली थाना क्षेत्र में सुलाबावजी के पास खेत में पेड़ से लटका मिला है।

परिजनों का आरोप है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या का मामला है। उन्होंने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने घटना से जुड़े कुछ साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे हैं, जबकि मृतक का मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त कर लिया है।

पोस्टमार्टम के बाद भी परिजन जिला चिकित्सालय परिसर में न्याय की मांग को लेकर डटे रहे। उनका कहना था कि जब तक निष्पक्ष जांच और आरोपियों पर कार्रवाई का स्पष्ट आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक वे शव नहीं उठाएंगे। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

उड़ता पंजाब की तर्ज पर उड़ता मन्दसौर नहीं बनने देंगे, लड़ाई शुरू होगी ड्रग्स के खिलाफ

सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यकर्ता डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने जिम्मेदारों से ठोस कार्यवाही की मांग की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मन्दसौर जिले के साथ पूरे संसदीय क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार बड़ी मात्रा में फेल चुका है । एमडी पाउडर हो या ब्राउन शुगर या स्मैक या डोडाचूरा या अफीम या फिर जहरीली शराब हो सभी की बड़ी मात्रा में यहां से तस्करी जारी है। यह अब रोकने वाले अमले के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी आँखें मूंदकर तमाशा देख रहे। क्षेत्र के हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। उड़ता पंजाब की तर्ज पर उड़ता मन्दसौर... होने से युवाओं का जीवन भारी संकट में है।

यह आरोप एक बयान में सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यकर्ता डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने लगाया। उन्होंने आगे आरोप लगाते हुए बताया कि जिस तरह समूचे क्षेत्र में ड्रग्स एवं मादक पदार्थो की तस्करी हो रही है और इनके पीछे सफेद पोश नेताओं के गुर्गे सामने आ रहे है यह बेहद गंभीर है। डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को एक पत्र भेजकर संसदीय क्षेत्र में पुलिस महकमें एवं विशेष शाखाओं में लंबे समय से पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संपत्तियों की जांच कराई जानी चाहिए साथ ही उनकी गतिविधियों की जांच स्पेशल टास्क फोर्स बनाकर अगर कराई जाए तो जाने कितने ऐसे अधिकारी मिलेंगे जो ड्रग्स एवं मादक पदार्थो का व्यापार करने वालों के साथ सांठ गांठ किए हुए है। डॉ. तोमर ने आरोप लगाया कि ड्रग्स एवं मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के विरुद्ध पुलिस की कार्यवाही ऊंट के मुंह में जीरा के समान होती है क्योंकि इन कार्यवाहियों में सिर्फ चींटियों जैसों पर नाम मात्र की कार्यवाही कर इति श्री की जाती है बड़े बड़े हाथियों की ओर देखने की हिम्मत तक नहीं होती। डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने मन्दसौर एवं नीमच जिले के पुलिस अधीक्षक से भी इस मामले में ठोस कार्यवाही की मांग की है। डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि मंदसौर शहर में भारी मात्रा में गली मोहल्लों में प्रतिबंधित मादक पदार्थ एवं ड्रग्स बेचे जा रहे है और युवाओं का भविष्य बर्बाद किया जा रहा है । जिले के पुलिस विभाग के मुखिया को समय रहते ठोस कदम उठाने चाहिए एवं जो भी पुलिस विभाग के या स्पेशल टीम के अधिकारी या कर्मचारी इन कार्यों में लिप्त हो उनके विरुद्ध ठोस कार्यवाही की जानी चाहिए। डॉ. राघवेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि मुखबिर के माध्यम से केस बनाए जाते है और मोटी मोटी रकम लेकर आरोपियों को छोड़ दिया जाता है एक तरह से नशे के कारोबार को रोकने के स्थान पर कुछ लोगों ने इसे कमाई का साधन बना लिया है । ऐसे लोगों को चिन्हित कर कठोर कार्यवाही होनी चाहिए । डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बताया कि शीघ्र ही वह इस दिशा में कार्यवाही हेतु न्यायालय की भी शरण लेने वाले है ताकि मंदसौर को उड़ता पंजाब की तर्ज पर उड़ता मन्दसौर बनने से रोका जा सके । डॉ तोमर जिम्मेदारों से मांग की है कि जिस जिस थाना क्षेत्र में ड्रग्स की बड़ी खेफ पकड़ी जाए उस थाने के पूरे स्टाफ के खिलाफ ठोस कार्यवाही की जानी चाहिए।

सम्पादकीय

लोकतंत्र की मूल आत्मा की रक्षा और भारत का भविष्य

विश्व के लोकतांत्रिक इतिहास में भारत का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत ने जिस दृढ़ता, परिपक्वता और संवैधानिक प्रतिबद्धता के साथ लोकतंत्र को अपनाया, वह विश्व के लिए प्रेरणा का विषय है। अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों, जातीय समूहों और परंपराओं से युक्त इतना विशाल राष्ट्र आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। यह केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सहिष्णुता, समन्वय और सामाजिक परिपक्वता का प्रमाण है।भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रसिद्ध कृति डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा था भारत स्वयं में एक लघु विश्व है। वास्तव में भारत अनेक सभ्यताओं, संस्कृतियों और जीवन-शैलियों का जीवंत संगम है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां भाषाओं, रीति-रिवाजों, खान-पान, वेशभूषा, लोककला, लोकगीत, नृत्य, धार्मिक आस्थाओं और सामाजिक परंपराओं की अद्भुत विविधता होने के बावजूद राष्ट्रीय एकता अक्षुण्ण बनी हुई है। संविधान ने इस विविधता को सम्मान देते हुए सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान किए तथा भाषाई सौहार्द बनाए रखने के लिए हिंदी को राजभाषा और 22 भारतीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिया।

संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे चलाने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह सफल नहीं होगा; और यदि संविधान साधारण भी हो, किंतु उसे चलाने वाले अच्छे हों, तो वह सफल सिद्ध होगा।यह कथन लोकतंत्र में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की नैतिक जिम्मेदारी को रेखांकित करता है। भारत की सामाजिक संरचना अत्यंत जटिल होते हुए भी समन्वयवादी रही है। यहां ग्रामीण और शहरी जीवन, संयुक्त और एकल परिवार, विभिन्न जातीय एवं सांस्कृतिक समूह, जनजातीय समाज तथा आधुनिक जीवनशैली समानांतर रूप से विकसित होते हुए हैं। अनेक सामाजिक अंतर्विरोधों के बावजूद भारतीय लोकतंत्र ने संवाद, संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से समाधान खोजने का निरंतर प्रयास किया है।

भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। वे ग्राम स्वराज, पंचायती राज, स्वावलंबन, सर्वोदय और मानवीय विकास को राष्ट्र निर्माण का आधार मानते थे। दूसरी ओर पंडित जवाहरलाल नेहरू आधुनिक विज्ञान, औद्योगिकीकरण, बड़े बांधों और सार्वजनिक उपक्रमों को आधुनिक भारत के निर्माण की आधारशिला मानते थे। इन दोनों दृष्टिकोणों के समन्वय से भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था का मार्ग अपनाया, जिसने लंबे समय तक विकास की दिशा निर्धारित की।

सरदार वल्लभभाई पटेल ने कहा था– हमारी शक्ति हमारी एकता में निहित है।÷स्वतंत्रता के बाद 500 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में विलय उनकी अद्वितीय राजनीतिक दूरदर्शिता का परिणाम था, जिसने राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ किया।भारत धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी विश्व का मार्गदर्शक रहा है। हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्मों की जन्मस्थली होने के साथ-साथ भारत ने इस्लाम, ईसाई, पारसी तथा अन्य सभी धर्मों को समान सम्मान दिया। भारतीय संविधान का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप इसी समावेशी परंपरा का प्रतिबिंब है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था

हम केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं।

विदेश नीति के क्षेत्र में भारत ने स्वतंत्रता के बाद गुटनिरपेक्षता को अपनाकर विश्व शांति, सह-अस्तित्व और स्वतंत्र निर्णय क्षमता का परिचय दिया। आज भी भारत की विदेश नीति राष्ट्रीय हितों के साथ वैश्विक सहयोग और संतुलन पर आधारित है।डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का कथन आज भी प्रासंगिक है

यदि किसी देश को भ्रष्टाचार-मुक्त और सुंदर राष्ट्र बनाना है, तो उसके तीन प्रमुख स्तंभ हैं माता, पिता और शिक्षक।

यह लोकतंत्र की सफलता में नैतिक शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व की महत्ता को दर्शाता है।आज भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, अंतरिक्ष, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रक्षा, कृषि और वैश्विक कूटनीति के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। इतनी विशाल जनसंख्या, बहुभाषिकता और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद लोकतांत्रिक व्यवस्था का सफल संचालन भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

भारत की लोकतांत्रिक शक्ति केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि संविधान के प्रति आस्था, विधि का शासन, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र निर्वाचन प्रणाली, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विविधता में एकता की भावना ही इसकी वास्तविक शक्ति है।

ब्रह्म ज्ञान की प्राप्ति का सहज मार्ग है सहजयोग

भारतीय अध्यात्म का मूल संदेश यह है कि ब्रह्म और आत्मा अलग नहीं, बल्कि एक ही परम सत्य के दो नाम हैं। अद्वैत वेदांत के अनुसार ब्रह्म का स्वरूप सत्, चित् और आनंद है–सत् अर्थात शाश्वत और अविनाशी अस्तित्व, चित् अर्थात पूर्ण चेतना एवं ज्ञान, तथा आनंद अर्थात असीम और नित्य परमानंद। यही वह परम सत्य है, जिसे जान लेने पर मनुष्य जीवन के बाहरी संघर्षों, अस्थिरताओं और सीमाओं से ऊपर उठकर अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव करता है। आत्मसाक्षात्कार का अर्थ इसी सत्य का प्रत्यक्ष अनुभव है, जहाँ साधक अज्ञान, भय, तनाव और सीमित पहचान से ऊपर उठकर अपने दिव्य स्वरूप को जानता है ।

इसी आत्मबोध की सहज, सरल और वैज्ञानिक साधना का मार्ग है सहजयोग, जिसे परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने विश्व को प्रदान किया। सहजयोग का उद्देश्य किसी जटिल कर्मकांड, कठिन तपस्या या बाह्य प्रदर्शन पर आधारित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के भीतर विद्यमान आध्यात्मिक शक्ति कुंडलिनी के जागरण के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार का अनुभव कराता है। जब यह शक्ति जागृत होती है, तो साधक अपने भीतर एक नई चेतना, एक नई स्थिरता और एक नई संवेदनशीलता का अनुभव करता है। यह अनुभव केवल मानसिक शांति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यक्ति के विचारों, भावनाओं, व्यवहार और जीवन-दृष्टि में सकारात्मक परिवर्तन लाता है।

सहजयोग की विशेषता यह है कि यह हर आयु, हर वर्ग और हर पृष्ठभूमि के व्यक्ति के लिए सुलभ है। साधक को केवल खुले मन, नियमित अभ्यास और आत्म-निरीक्षण की आवश्यकता होती है। ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की ऊर्जा को संतुलित करना सीखता है, जिससे तनाव कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है, भावनात्मक स्थिरता विकसित होती है और जीवन में आंतरिक प्रसन्नता का संचार होता है। अनेक साधकों ने यह अनुभव किया है कि सहजयोग के नियमित अभ्यास से न केवल मानसिक शांति मिलती है, बल्कि पारिवारिक संबंधों, कार्यक्षमता और सामाजिक व्यवहार में भी सकारात्मक सुधार आता है।

आज विश्व के अनेक देशों में लाखों लोग सहजयोग के माध्यम से ध्यान, आंतरिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और जीवन-शैलियों के लोग इस साधना से जुड़कर अपने भीतर संतुलन और आत्मिक आनंद का अनुभव करते हैं। सहजयोग यह सिखाता है कि सच्चा परिवर्तन बाहर से नहीं, भीतर से आरंभ होता है।

यदि आप भी परमात्मा के असीम प्रेम, आशीर्वाद और ज्ञान का अनुभव करना चाहते हैं तथा अपनी आत्मा का योग परमात्मा से घटित करना चाहते हैं, तो आज ही सहजयोग से जुड़ें। यह एक ऐसा मार्ग है जो सरल भी है और गहन भी, सहज भी है और परिवर्तनकारी भी। सहजयोग पूर्णतः निःशुल्क है।

डिजिटल प्राइवेसी की नई परत, लेकिन भीतर छिपे बड़े खतरे

मोबाइल नंबर अब तक डिजिटल पहचान का सबसे भरोसेमंद आधार रहा है, लेकिन अब उसकी जगह यूजरनेम लेने की तैयारी है। बदलाव जितना आधुनिक दिखता है, जोखिम भी उतने ही बड़े हैं। व्हाट्सऐप यूजरनेम सुविधा ला रहा है, जिससे उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर छिपाकर यूजरनेम के माध्यम से नए संपर्कों से बातचीत कर सकेंगे। दावा है कि इससे निजता मजबूत होगी, लेकिन भारत सरकार ने इसके संभावित खतरों को समय रहते भांप लिया। मेटा को नोटिस भेजकर इस फीचर के भारत में रोलआउट पर अस्थायी रोक लगाना महज तकनीकी कदम नहीं, बल्कि भारत के 50 करोड़ से अधिक व्हाट्सएप यूजर्स की डिजिटल सुरक्षा का सवाल है। जिस देश में रोज हजारों साइबर ठगी होती हों, वहां पहचान को नंबर से हटाकर केवल यूजरनेम के भरोसे छोड़ना क्या अपराधियों को नया हथियार नहीं देगा? आखिर डिजिटल दुनिया में प्राथमिकता सुविधा को मिले या सुरक्षा को?

पहली नजर में मेटा का यह प्रस्ताव बेहद आकर्षक लगता है। इसके तहत हर उपयोगकर्ता 3 से 35 कैरेक्टर्स (अक्षर, संख्या, पीरियड और अंडरस्कोर) वाला यूनिक यूज़रनेम चुन सकेगा। इसके बाद बातचीत के लिए मोबाइल नंबर साझा करने की जरूरत नहीं होगी। नंबर केवल अकाउंट वेरिफिकेशन तक सीमित रहेगा, जबकि चैट में उसकी जगह यूजरनेम दिखाई देगा। कंपनी का दावा है कि ÷यूजरनेम की÷ जैसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था अनचाहे संदेशों और संदिग्ध संपर्कों पर प्रभावी नियंत्रण रखेगी। कागज पर यह व्यवस्था निजता को मजबूत करती दिखाई देती है, लेकिन तकनीक का इतिहास बताता है कि हर नई सुविधा अपने साथ नए जोखिम भी लाती है। इसलिए असली सवाल यह नहीं कि यह फीचर कितना आकर्षक है, बल्कि यह है कि इसकी सुरक्षा कितनी अभेद्य और भरोसेमंद है।

भारत की चिंता वाजिब है। यहां साइबर अपराध पहले ही महामारी बन चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक अलर्ट, निवेश घोटाले, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया इमपर्सनेशन और भावनात्मक ठगी लाखों लोगों को शिकार बना चुके हैं। ऐसे में यदि कोई ठग किसी अधिकारी, पत्रकार, उद्योगपति, लोकप्रिय हस्ती या आम नागरिक के नाम जैसा यूजरनेम पहले ही ले ले (यूजरनेम स्क्वाटिंग), तो छद्मवेश (इमपर्सनेशन) और पहचान की चोरी आसान हो जाएगी। इसके जरिए फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे ऐंठना, संवेदनशील जानकारी हासिल करना, अफवाह फैलाना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना आसान होगा। तब यह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनविश्वास, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा का संकट बन जाएगा। इसलिए सरकार की आशंका कल्पना नहीं, डिजिटल हकीकत है।

इन्हीं आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने मेटा से तीन दिनों में विस्तृत जवाब मांगा है। कंपनी को फीचर का डिजाइन, प्राइवेसी प्रोटोकॉल, सुरक्षा तंत्र, पहचान सत्यापन और दुरुपयोग रोकने के उपाय स्पष्ट करने होंगे। साथ ही समीक्षा पूरी होने तक भारत में इसका रोलआउट रोकने को कहा गया है। यह फैसला तकनीकी प्रगति का विरोध नहीं, बल्कि जिम्मेदार डिजिटल शासन का संकेत है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, साइबर सुरक्षा नीतियों और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत विदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्मों का भारतीय कानूनों और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। डिजिटल भारत में किसी वैश्विक कंपनी की सुविधा से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा है।

फिर भी इस प्रस्ताव के सकारात्मक पक्षों को नकारा नहीं जा सकता। आज सेवाओं, व्यापार, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन शिक्षा, कंटेंट क्रिएशन और व्यावसायिक संपर्क के लिए मोबाइल नंबर साझा करना लगभग अनिवार्य हो गया है। इसका नतीजा अनचाहे कॉल, स्पैम संदेश, डेटा लीक और निजी जानकारी के दुरुपयोग के रूप में सामने आता है। यदि नए संपर्कों से केवल यूजरनेम से संवाद हो, तो मोबाइल नंबर काफी हद तक छिपा रह सकता है। इसलिए अनेक उपयोगकर्ता इस सुविधा का स्वागत कर रहे हैं, क्योंकि इससे गोपनीयता मजबूत होगी और डिजिटल ट्रैकिंग घटेगी। लेकिन अच्छी मंशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती; मजबूत सुरक्षा के बिना सबसे उपयोगी तकनीक भी सबसे खतरनाक दरवाजा बन सकती है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की सबसे बड़ी चिंता यही है। उनके अनुसार यह फीचर यूजरनेम स्क्वाटिंग, फर्जी खातों और सोशल इंजीनियरिंग हमलों को बढ़ावा दे सकता है। भारत जैसे देश में, जहां भाषाई विविधता, अलग-अलग लिपियां, समान नामों की भरमार और ग्रामीण-शहरी डिजिटल अंतर है, वहां पहचान का सत्यापन अधिक जटिल है। यदि मेटा ने भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त स्थानीय परीक्षण नहीं किए, तो जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। केवल एल्गोरिद्म पर्याप्त नहीं; स्थानीय भाषाओं की समझ, प्रभावी शिकायत निवारण, त्वरित सत्यापन और संदिग्ध खातों पर फौरन कार्रवाई भी अनिवार्य होगी।

दरअसल, यह विवाद केवल व्हाट्सएप के एक फीचर का नहीं, बल्कि वैश्विक टेक कंपनियों और राष्ट्र-राज्यों के बीच बढ़ते उस संघर्ष का है, जिसमें सवाल है कि डिजिटल दुनिया के नियम कौन तय करेगा। मेटा जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म हर देश की सामाजिक, कानूनी और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। भारत पहले ही डेटा लोकलाइजेशन, इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल डेटा संरक्षण जैसे मुद्दों पर स्पष्ट कर चुका है कि विदेशी कंपनियों को यहां केवल कारोबार नहीं, बल्कि भारतीय कानूनों और राष्ट्रीय हितों का भी सम्मान करना होगा। व्हाट्सएप का यह मामला उसी सोच की अगली कड़ी है, जहां डिजिटल संप्रभुता नारा नहीं, राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।

असल चुनौती यूजरनेम नहीं, उस पर कायम होने वाला विश्वास है। जिस डिजिटल पहचान की विश्वसनीयता संदिग्ध हो, उसकी प्राइवेसी भी अर्थहीन हो जाती है। मेटा को अपने सुरक्षा मानकों, पहचान सत्यापन प्रणाली और दुरुपयोग रोकने की रणनीति पूरी पारदर्शिता से सार्वजनिक करनी चाहिए। वहीं, उपयोगकर्ताओं को भी ऐसे यूजरनेम चुनने से बचना होगा जो आसानी से अनुमानित हों या अन्य प्लेटफॉर्मों पर पहले से इस्तेमाल हो रहे हों, और किसी भी संदिग्ध प्रोफाइल या संदेश पर बिना पुष्टि भरोसा नहीं करना चाहिए। सरकार का यह समयोचित हस्तक्षेप स्पष्ट करता है कि डिजिटल भारत में नवाचार का स्वागत होगा, लेकिन नागरिकों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। क्योंकि यदि पहचान की सुरक्षा कमजोर पड़ी, तो आने वाले समय में मोबाइल नंबर नहीं, नाम ही सबसे बड़ी चोरी बन जाएगा।

-प्रो. आरके जैन

कच्चा तेल सस्ता, लेकिन वैश्विक वित्तीय जोखिम अब भी भारत के लिए चुनौती

अमेरिका और ईरान के बीच बनी सहमति और होर्मुज स्ट्रेट के दोबारा खुलने से कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है। अब ये कीमतें घटकर लड़ाई के पहले के स्तर तक आ गई हैं जिससे भारत जैसे देशों को काफी लाभ पहुंचा है क्योंकि हम अपनी तेल जरूरतों के बड़े हिस्से के लिए तेल आयात पर निर्भर हैं। तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार को चुनिंदा श्रेणियों के लिए तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की कीमतों में कमी कर दी है। उन्होंने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में भी कमी की है।

अगर तेल कीमतें कम स्तर पर बनी रहती हैं तो आने वाले सप्ताहों में कीमतों में ऐसी और कमी देखने को मिल सकती है। भले ही अब हालात सामान्य होने की ओर बढ़ रहे हों लेकिन पश्चिम एशिया के संघर्ष ने उन जोखिमों को उजागर कर दिया है जिनका सामना भारत को इस विभाजित भूराजनीतिक व्यवस्था वाली दुनिया में करना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक की नवीनतम अर्धवार्षिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) ने प्रतिकूल बाहरी झटकों के बढ़ते जोखिमों को पहचानने का अच्छा कार्य किया है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने रिपोर्ट की भूमिका में यह उचित ही उल्लेख किया कि वर्तमान परिस्थितियों में वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और प्रणालीगत लचीलापन विकसित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। पश्चिम एशिया संकट ने चालू खाते के घाटे (सीएडी) में इजाफे का खतरा पैदा कर दिया। यह ऐसे समय में है जब भारत विभिन्न कारणों से विदेशी पूंजी आकर्षित करने में कठिनाइयों का सामना कर रहा है।

जैसा कि एफएसआर में दर्ज है, 2025-26 में सीएडी प्रबंधनीय स्तर पर रहा लेकिन भुगतान संतुलन लगातार दूसरे वर्ष घाटे में रहा। तेल की ऊंची कीमतों के चलते यह वर्ष भी इसी तरह समाप्त होने की प्रबल आशंका थी। हालांकि बाहरी खाते का वास्तविक स्वरूप आने वाली तिमाहियों में ही स्पष्ट होगा। रिजर्व बैंक और सरकार द्वारा हाल ही में घोषित उपायों से पूंजी प्रवाह में सुधार की उम्मीद है हालांकि यह मुख्यतः ऋण के रूप में होगा। इस संदर्भ में बहस योग्य मुद्दा यह है कि पिछले दो वर्षों से भुगतान संतुलन घाटे में क्यों रहा है। क्या वैश्विक वित्तीय परिस्थितियां बुनियादी रूप से बदल गई हैं?

बाहरी खाते के प्रबंधन के संदर्भ में कुछ बातों पर नजर रखनी होगी। मुद्रास्फीति की स्थिति को देखते हुए संभावना है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरें अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर बनी रहेंगी। उदाहरण के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व इस वर्ष कम से कम एक बार दरें बढ़ाने की तैयारी कर रहा है जिससे वैश्विक वित्तीय परिस्थितियां और सख्त होंगी। इसके अलावा वैश्विक ऋण का ऊंचा स्तर बॉन्ड बाजार और पूंजी प्रवाह को प्रभावित कर रहा है।

-सुनील कुमार महला

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है।

आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्ज़ी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज़ के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है।

भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए।

आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-''प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।'' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है।

आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।

-ललित गर्ग

म्युचुअल फंड बनाम विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों पर बहस और जमीनी हकीकत

भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों में ज्यादातर वक्त एक खास सोच हावी रही है। वह सोच यह है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की तरफ से अंधाधुंध बिकवाली के बावजूद शेयरों की कीमतों पर खास फर्क नहीं पड़ा है। घरेलू म्युचुअल फंड (डीएमएफ) 'आखिरी खरीदार' या संकट मोचक के रूप में हालात को संभाल हुए हैं। घरेलू म्युचुअल फंडों में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) से भारी रकम आ रही है। इसका मतलब साफ है कि भारत अब अस्थिर विदेशी पूंजी पर निर्भर नहीं है। खुदरा निवेशक बाजार में मजबूती से पांव टिका चुके हैं और इसने बाजार को बड़े झटकों के बीच संभाल कर स्थिरता कायम रखने में मदद की है।

आंकड़े भी इस दावे का समर्थन करते दिखते हैं। सितंबर 2024 से एफपीआई ने भारी बिकवाली की है जिस वजह से वित्त वर्ष 2025-26 में 19.6 अरब डॉलर की भारी भरकम शुद्ध निकासी हुई। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 96 अरब डॉलर मूल्य के शेयर खरीदे। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध कंपनियों में विदेशी हिस्सेदारी गिरकर उस स्तर पर आ गई है जो दो दशक पहले देखी गई थी जबकि डीएमएफ ने लगातार अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। इन तमाम बातों के बावजूद यह आम धारणा एक संदिग्ध सोच पर टिकी है कि एफपीआई और डीएमएफ एक ही तरह के शेयरों की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। विदेशी निवेशक मुख्य रूप से भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं जबकि घरेलू फंडों का निवेश तेजी से मिडकैप (मझोले) और स्मॉलकैप (छोटे) शेयरों की ओर बढ़ रहा है। जो एक ही बाजार विदेशी बिकवाली की लहर का मजबूती से सामना करता दिख रहा है, असल में वह दो अलग-अलग बाजार हैं जो विपरीत दिशाओं में चल रहे हैं।

भारतीय शेयर बाजार सितंबर 1992 में विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए खोला गया था। अगले ही वर्ष भारत का पहला निजी क्षेत्र का म्युचुअल फंड निवेश के लिए खुला। अगले दो दशकों में विदेशी निवेशकों का बाजार पर दबदबा बन गया जबकि घरेलू एमएफ निवेशकों का भरोसा जीतने में संघर्ष करते रहे। 1990 के दशक की सुस्त आर्थिक वृद्धि, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति, वर्ष 2001 में डॉट-कॉम संकट, वर्ष 2003-07 में जिंस और बुनियादी ढांचे में तेजी, वर्ष 2008 का वैश्विक वित्तीय संकट और उसके बाद सुधार इन सभी दौर में भारतीय शेयर बाजार की दिशा तय करने में एफपीआई की असरदार भूमिका रही। जब उन्हें जरा भी दिक्कत होती थी तो भारत पर उसका असर साफ दिखता था। वित्त वर्ष 2014 में अपने चरम पर एनएसई पर सूचीबद्ध सभी शेयरों में उनकी हिस्सेदारी 22.1 फीसदी थी। इस दौरान अक्सर यह चिंता जताई जाती थी कि भारतीय अपने ही शेयर बाजार से सृजित हो रही संपदा में ठीक से हिस्सा नहीं ले पा रहे थे। ऐसा लग रहा था कि विदेशी निवेशक मुनाफे का एक बहुत बड़ा हिस्सा हथिया रहे थे।

फिर कुछ बदलाव आया। डीएमएफ (जिनकी हिस्सेदारी वर्षों तक 4 फीसदी से कम रही थी) में नोटबंदी के बाद काफी अधिक निवेश आने लगा। जहां विदेशी हिस्सेदारी लगभग 21 फीसदी के आसपास बनी रही वहीं, घरेलू हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई। सितंबर 2022 और सितंबर 2024 के दरमियान बाजार में तेजी के बाद यह अंतर और स्पष्ट हो गया। मार्च 2025 तक एफपीआई की हिस्सेदारी गिरकर 17.5 फीसदी और फिर मार्च 2026 तक 15.8 फीसदी हो गई जो मार्च 2006 के बाद सबसे निचला स्तर था। इस बीच, डीएमएफ की हिस्सेदारी बढ़कर 10.4 फीसदी हो गई।

वित्त वर्ष 2026 की जनवरी-मार्च तिमाही में यह रुझान और पुख्ता हो गया। सालाना 19.6 अरब डॉलर एफपीआई निकासी में लगभग 14.2 अरब डॉलर इसी तिमाही में दर्ज हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा शुल्कों की घोषणाओं और ईरान युद्ध के कारण ऐसा हुआ। इसी दौरान, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 95.8 अरब डॉलर मूल्य के शेयर खरीदे। कई जानकारों की नजर में यह भारत के पूंजी बाजार में एक संरचनात्मक बदलाव था।

देश ने आखिरकार एक ऐसा घरेलू निवेशक आधार विकसित कर लिया था जो विदेशी निकासी की भरपाई करने में सक्षम था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बार-बार कहा कि खुदरा निवेशक एक 'शॉक एब्जॉर्बर' यानी बाहरी झटकों से बेअसर रखने वाले बन गए हैं जिससे विदेशी पूंजी प्रवाह के प्रति बाजार अधिक संवेदनशील नहीं रह गया है। इस दावे में सच्चाई है मगर कुछ हद तक ही।

कुल हिस्सेदारी के आंकड़े एक महत्त्वपूर्ण अंतर पर पर्दा डाल देते हैं। एफपीआई मुख्य रूप से सबसे बड़ी कंपनियों पर दांव लगाते रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 के अंत में एफपीआई की एनएसई कंपनियों में कुल निवेश का 92 फीसदी हिस्सा बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 10 फीसदी सूचीबद्ध कंपनियों में था। डीएमएफ के निवेश में कुछ हद तक अधिक विविधता थी जिसमें 87.8 फीसदी हिस्सा शीर्ष 10 फीसदी कंपनियों में था और छोटी कंपनियों में भी अधिक निवेश किया गया था।

रकम की आमद पर नजर डालने से यह अंतर और स्पष्ट हो जाता है। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में इक्विटी म्युचुअल फंडों में 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश आया। अकेले मिडकैप और स्मॉलकैप योजनाओं को 26,000 करोड़ रुपये से अधिक मिले। लार्जकैप और मिडकैप फंडों में 11,600 करोड़ रुपये के निवेश आए।

-धनंजय राजौरा

अमलतास विश्वविद्यालय में आज मध्य भारत की पहली ऐतिहासिक प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशालाओं का आयोजन

500 से अधिक डेलीगेट्स और मेडिकल फैकल्टी होंगे शामिल, मरीजों की बेहतर देखभाल के लिए उन्नत तकनीकों पर मंथन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास यूनिवर्सिटी (अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) में चिकित्सा क्षेत्र का एक बड़ा और ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। 03 जुलाई 2026 को संस्थान में yth Bronchopulmonary World conference 2026 के तहत विशेष प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। मध्य भारत में इस स्तर पर आयोजित होने वाली यह पहली अनूठी कार्यशाला है, जिसमें देश और विदेश के जाने-माने विषय 150 विशेषज्ञ तथा करीब 500 से अधिक डेलीगेट्स एवं मेडिकल फैकल्टी हिस्सा ले रहे हैं।

इस अंतरराष्टीय समागम में , डॉ. महेंद्र के. बैनारा , डॉ. अपर जिंदल, , डॉ. रवि डोसी, डॉ. अतुल सी. मेहता, डॉ. जोलिकर मोहम्मद मुन्नावर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. विनोद जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।

कॉन्फ्रेंस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अमलतास विश्वविद्यालय के प्रो. चांसलर डॉ. सलिल भार्गव ने कहा, इस आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में विषय विशेषज्ञों द्वारा फेफड़ों की बारीकी से जांच करने और बीमारियों की सटीक पहचान करने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने आगे जोर देते हुए कहा कि यह एडवांस ट्रेनिंग और इस तकनीक का आदान-प्रदान इस पूरे क्षेत्र के साथ-साथ मध्य प्रदेश के सभी मरीजों के लिए गेम चेंजर साबित होगा। इससे फेफड़ों से संबंधित गंभीर बीमारियों का इलाज समय पर और अधिक सटीकता से हो सकेगा।

अमलतास विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. आर.के. सिंह द्वारा बताया गया की मास्टर स्किल्स, एडवांस प्रैक्टिस, ट्रांसफॉर्म पेशेंट केयर के मुख्य ध्येय के साथ आयोजित होने वाली इस कार्यशाला का उद्देश्य डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों की कार्यकुशलता को बढ़ाना, क्लीनिकल निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करना और रिसर्च के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करना है।

अमलतास विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. अभय गुप्ता द्वारा बताया गया की राष्ट्रीय और अंतर्राष्टीय स्तर के प्रख्यात विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा। इस भव्य आयोजन के दौरान श्वसन और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारियों के अत्याधुनिक इलाज को लेकर 11 अलग-अलग विषयों पर पैरेलल वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं रिजिड ब्रोंकोस्कोपी,मेडिकल थोराकोस्कोपी और इनड्वेलिंग प्लुरल कैथेटर, फ्लेक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी और क्रायो एप्लीकेशन, एंडोब्रॉन्कियल अल्ट्रासाउंड हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग ,पल्मोनरी फंक्शन टेस्टिंग (स्पाइरोमेट्री), स्लीप मेडिसिन, नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन और मैकेनिकल वेंटिलेशन कार्यशाला, पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन (फेफड़ों का पुनर्वास), गंभीर अस्थमा पर विशेष सत्र, पल्मोनोलॉजी में रिसर्च मेथड्स- प्रोटोकॉल से प्रकाशन तक, NTEP-NCCP ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) वर्कशॉप पल्मोनरी तकनीशियन कार्यशाला

कार्यशाला के मुख्य आकर्षण- हैंड्स-ऑन प्रैक्टिकल ट्रेनिंग- डॉक्टरों को सीधे आधुनिक उपकरणों पर अभ्यास का अवसर।

लाइव डिमॉन्स्ट्रेशन- लाइव प्रदर्शन और सिमुलेशन-आधारित लर्निंग।

एक्सपर्ट डिस्कशन- देश-विदेश की फैकल्टी के साथ जटिल केस स्टडीज पर सीधा संवाद।

इस विशेष अवसर पर अमलतास विश्वविद्यालय के चेयरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के अंतरराष्टीय प्रयास हमारे क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर को और अधिक मजबूत और आधुनिक बनाएंगे। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार और आए हुए सभी अतिथियों को बधाई दी।

सांदीपनि स्कूल में खेलते-खेलते 5वीं के छात्र का हाथ टूटा

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल सांदीपनि स्कूल में गुरुवार दोपहर खेलते समय एक छात्र गंभीर घायल हो गया। कक्षा पांचवीं में पढ़ने वाले सनकोटा निवासी छात्र राघव का हाथ कक्षा के अंदर लगी घूमने वाली गोल टेबल (प्ले उपकरण) में फंस गया, जिससे उसका हाथ टूट गया।

हादसे के बाद स्कूल में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी घटना के दौरान स्कूल का निरीक्षण कर रही थी। घटना के तुरंत बाद विद्यालय में मौजूद शिक्षकों ने घायल छात्र राघव को उपचार के लिए शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने छात्र की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए शाजापुर के ही एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया।

शिक्षक और सरपंच के बीच कहासुनी- हादसे के समय दुधाना के सरपंच राकेश जायसवाल भी किसी काम से विद्यालय में मौजूद थे। उन्होंने घायल छात्र को समय पर अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था को लेकर स्कूल प्रबंधन से बात की। इसी चर्चा के दौरान एक शिक्षक और सरपंच के बीच किसी बात को लेकर हल्की कहासुनी हो गई, जिसे वहां मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर शांत कराया। संयोग से गुरुवार को ही नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी दीपा खीर पहली बार सरदार वल्लभभाई पटेल सांदीपनि विद्यालय के औचक निरीक्षण पर पहुंची थीं। उनके निरीक्षण के दौरान ही यह हादसा हुआ।

हनुमान मंदिर की जमीन पर अतिक्रमण का आरोप

ग्रामीणों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर की कार्रवाई की मांग

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मोहन बड़ोदिया तहसील क्षेत्र के ग्राम माताना के ग्रामीणों ने गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे तहसील कार्यालय पहुंचकर हनुमान मंदिर की भूमि से कथित अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि मंदिर के नाम दर्ज लगभग 4.27 हेक्टेयर कृषि भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। इससे मंदिर की संपत्ति पर अतिक्रमण की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में मांग की कि संबंधित भूमि का राजस्व अभिलेखों के आधार पर सीमांकन कराया जाए। यदि अतिक्रमण पाया जाता है, तो नियमानुसार उसे तत्काल हटाकर मंदिर की भूमि को सुरक्षित किया जाए। उनका कहना है कि धार्मिक स्थल की संपत्ति सार्वजनिक आस्था से जुड़ी है, इसलिए इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लंबे समय से इस मामले का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। मौके पर मौजूद नायब तहसीलदार मुकेश गुप्ता ने ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त किया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि आवेदन के आधार पर संबंधित पुजारी को नोटिस जारी किया जाएगा तथा जांच रिपोर्ट के अनुसार नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नहीं सुधर रही सांदीपनि विद्यालय की वाहन व्यवस्था

लगातार तीसरे दिन परेशान हुए बच्चे, बेरछा रोड पर किया चक्काजाम का प्रयास

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। दूर-दूर से सांदीपनि विद्यालय में पढ़ने आने वाले बच्चों के लिए शिक्षा विभाग वाहन व्यवस्था सुचारू नहीं करवा पा रहा है। दो दिन पहले भी व्यवस्थ बिगड़ने से बच्चों को टेऊक्टर-ट्राली ओर अन्य वाहनों से जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचना पड़ा था। दूसरे दिन भी विद्यार्थियों को जगह न होने का हवाला देकर बस में नहीं बैठाया जा रहा था। वहीं गुरूवार को भी बच्चों को घंटों इंतजार करना पड़ा, लेकिन स्कूल बस ही लेने नहीं पहुंची। जिसके चलते नाराज अभिभावकों व बच्चों ने चक्काजाम का प्रयास किया। अधिकारियों की समझाईश के बाद ग्रामीण माने और स्कूल बस पहुंचने के बाद बच्चे स्कूल पहुंच सके।

जब ग्रामीण चक्काजाम कर रहे थे उसी समय बेरछा रोड से गुजर रहीं शाजापुर एसडीएम मनीषा वास्कले ने प्रदर्शनकारियों से बात की और उन्हें समझाया। उन्होंने तत्काल बस भिजवाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब 11.30 बजे बस पहुंची। बच्चों को स्कूल भेजा गया और स्थिति सामान्य हो सकी। हालांकि अधिकारियों द्वारा अभी तक भी समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया जा सका है। क्योंकि गुरूवार को भी कई जगह बच्चे बस का इंतजार करते नजर आए। नगर के गांधीहाल, महूपुरा चौराहा पर बच्चे बसों का इंतजार करते रहे। लेकिन बस के नहीं पहुंचने से कुछ बच्चे घर लौट गए तो कुछ लिफ्ट लेकर स्कूल पहुंचने को मजबूर हुए। तो कई बच्चों को उनके अभिभावकों ने स्कूल पहुंचाया।

ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा परेशानी- ग्रामीण क्षेत्रों में सांदीपनि विद्यालय की वाहन व्यवस्था की और हालत खस्ता है। ग्रामीणों की माने तो पिछले दो दिनों से बच्चों को बस नहीं मिल रही थी। उन्होंने बताया कि बस में जगह नहीं होने का हवाला देकर उनके बच्चों को छोड़ दिया जाता है, जबकि अन्य छात्रों को बैठा लिया जाता है। बच्चे सुबह 9.30 बजे से बस का इंतजार कर रहे थे, लेकिन बस उन्हें लिए बिना ही निकल गई। जिसके चलते गुरूवार को उनके सब्र का बांध टूट गया और वे सड़क पर उतरने को मजबूर हो गए।

11 बसों के भरोसे 2800 बच्चों की जिम्मेदारी- सांदीपनि स्कूल में पहले लगभग 1200 विद्यार्थी थे। इसके बाद 20 स्कूलों के विलय के बाद विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 2600 से 2800 हो गई है। वर्तमान में केवल 11 बसों के संचालन से परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। हालांकि मामले को लेकर शिक्षा विभाग के सहायक संचालक राजेंद्र शिप्रे ने बताया कि बढ़ी हुई छात्र संख्या को देखते हुए तीन अतिरिक्त बसों की स्वीकृति मिल चुकी है। इन बसों का संचालन जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राज्य स्तर पर 18 और बसों की मांग भेजी गई है, जिनकी स्वीकृति मिलते ही नई बसें उपलब्ध कराई जाएंगी।

शिक्षा की गुणवत्ता और बेहतर हो, स्कूल बनें प्रेरणादायक सीखने के केंद्र : कलेक्टर श्री बालागुरू के.

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिला पंचायत सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में नवीन शैक्षणिक सत्र की तैयारियों, विद्यार्थियों के नामांकन, विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय केवल अध्ययन का केंद्र ही नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का माध्यम होना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यालयों में नियमित साफ-सफाई, पौधारोपण, परिसर का सौंदर्यीकरण तथा स्वच्छ एवं आकर्षक वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में ऐसा सकारात्मक माहौल विकसित किया जाए जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़े और वे आनंददायक वातावरण में सीख सकें।

उन्होंने अधिकारियों को स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने, शिक्षण व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग करने तथा विद्यालयों में उपलब्ध टीवी एवं अन्य डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए और अच्छे प्रयोगों को अन्य विद्यालयों में भी लागू किया जाए।

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा ने ली प्राध्यापकों की बैठक

नए शिक्षा सत्र के लिए लेकर दिए महत्वूपर्ण निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पं. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गुरूवार को नए शिक्षा सत्र शुरू होने पर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा द्वारा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नए सत्र को अधिक व्यवस्थित, अनुशासित एवं परिणाममुखी बनाने हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

अध्यक्ष कसेरा ने बैठक में निर्देश दिए गए कि महाविद्यालय में निर्धारित गणवेश व्यवस्था का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए, सभी प्राध्यापक महाविद्यालय समयावधि के दौरान पूर्ण समय तक उपस्थित रहें तथा विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति और कक्षाओं के सुचारू संचालन हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके साथ ही मध्यप्रदेश शासन एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे, इसकी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने, महाविद्यालय परिसर में बाहरी तत्वों के प्रवेश पर पूर्ण नियंत्रण रखने तथा सभी प्राध्यापकों द्वारा सदैव परिचय पत्र धारण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में महाविद्यालय में संचालित एनसीसी व एनएसएस, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद गतिविधियों की व्यापक तैयारी कर विद्यार्थियों को प्रदेश स्तर तक उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया ताकि जिले को इस क्षेत्र में भी पहचान मिले। साथ ही महाविद्यालय में नवाचार एवं नए प्रयोगों को बढ़ावा देने तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों की सभी सीटों पर पूर्ण प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार की रणनीति पर भी चर्चा की गई। बैठक में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एसके तिवारी, वरिष्ठ प्राध्यापक मीनू गिडवानी सहित महाविद्यालय के समस्त विषय के प्राध्यापक, साह.प्राध्यापक, अतिथि विद्वान उपस्थित थे।

हाजी जाहिद पठान बने सदर, वासिल शेख व पत्रकार इरशाद खान को मिली नायब सदर की जिम्मेदारी

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक एकता, भाईचारे और जनसेवा के उद्देश्य से तालाब की पाल रोड स्थित मांगलिक भवन में शेख-पठान मुस्लिम कमेटी का सर्वसम्मति से गठन कर नई कार्यकारिणी घोषित की गई। जिसमें हाजी जाहिद पठान को कमेटी का सदर, वासिल शेख एवं पत्रकार इरशाद खान को नायब सदर चुना गया। जिसके बाद मक्सी जामा मस्जिद मुफ्ती मुजम्मिल, डॉ. कैस खान, शानू पठान, आदिल खान, हकीम पठान, मंसूर पठान, साबिर पठान, मोहसिन पठान एवं समाजजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। घोषित कमेटी में पत्रकार निजाम शेख को महासचिव, इलियास अली एवं आरिफ बेग (भोला) को सह सचिव, सलमान पठान को खजांची तथा हामिल खान (बावड़ी) को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया।

हर नागरिक तक पहुंचे पर्याप्त पेयजल - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम द्वारा संचालित पेयजल योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के किसी भी नागरिक को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के दौरान यदि कहीं पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होती है तो उसकी तत्काल मरम्मत सुनिश्चित की जाए तथा पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्ण हो चुकी सभी परियोजनाओं का ट्रायल रन कर तत्काल हैंडओवर किया जाए, निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए तथा लंबित परियोजनाओं में तेजी लाकर उन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पानी की एक-एक बूंद अमूल्य है, इसलिए कहीं भी पेयजल व्यर्थ न बहने दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में नए बोर की आवश्यकता हो वहां बुजुर्गों एवं महिलाओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उपयुक्त स्थानों का चिन्हांकन किया जाए, ताकि लोगों को पेयजल के लिए अनावश्यक दूरी तय न करनी पड़े।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के 1024 ग्रामों में पेयजल योजनाएं स्वीकृत हैं। इनमें 685 ग्राम समूह नल-जल योजनाओं तथा 332 ग्राम एकल नल-जल योजनाओं के दायरे में शामिल हैं। एकल योजनाओं में 321 योजनाओं का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि 200 समूह ग्रामों में जल प्रदाय प्रारंभ हो चुका है। इसके साथ ही पूर्ण हो चुकी 274 एकल नल-जल योजनाओं का विभाग को हस्तांतरण भी किया जा चुका है तथा शेष योजनाओं का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। बैठक में आष्टा-रानीपुरा समूह जल प्रदाय योजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि 719 ग्रामों को लाभान्वित करने वाली इस महत्वाकांक्षी योजना की समग्र भौतिक प्रगति 76 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

स्टेट हाईवे-41 पर वेन व बाइक में हुई भिड़ंत

हादसे में बाईक सवार युवक की मौत, वेन चालक को आई गंभीर चोंट

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्टेट हाईवे-41 पर गुरूवार दोपहर को भीषण सड़क हादसा हो गया। जब एक वेन व बाईक की टक्कर हो गई। हादसे में बाईक सवार युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जबकि वेन के चालक को गंभीर चोंट आई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक की बाईक भी चकनाचूर हो गई।

घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई। मृतक गोदना निवासी 24 वर्षीय अरुण सिंह पिता महेश राजपूत सारंगपुर से अपने घर लौट रहा था। लेकिन रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। इधर टक्कर के बाद वेन चालक प्रहलाद सिंह पिता गणपत सिंह (40) निवासी मुंदीखेड़ी आष्टा से चौमा की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और डायल-112 की टीम ने दोनों घायलों को तुरंत सारंगपुर के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के बाद अरुण सिंह को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। वहीं, प्रहलाद सिंह का इलाज जारी है।

घटनास्थल पर मची अफरा-तफरी, लगा जाम- हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हर कोई घायलों को देखने के लिए मौके पर पहुंच गया। जिसके चलते कुछ देर के लिए वहां जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर पहुंची सलसलाई पुलिस ने पहले तो क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर मार्ग को फिर से चालू कराया। घटना के बाद गोदना और आसपास के गांवों में शोक का माहौल है।

बीएसी प्रमोद गुप्ता ने किया शालाओं का अकादमिक अवलोकन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद शिक्षा केन्द्र शाजापुर के विकासखंड अकादमिक समन्वयक बीएसी प्रमोद गुप्ता द्वारा नवीन सत्र का पहला शैक्षिक अकादमिक अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने टुकराना जनशिक्षा केन्द्र की शाप्रावि तालाबडेरा, शाप्रावि कांजा, शाप्रावि आवास कालोनी कांजा, शामावि कांजा एवं एकीकृत शामावि बरवाल का अवलोकन करते हुए निःशुल्क पाठ्य-पुस्तक, नामांकन, अपार आईडी, यू डाइस, एक पेड़ मां के नाम, आदि अकादमिक बिंदुओं पर संबंधित शालाओं के प्रभारी शिक्षक से चर्चा करते हुए जानकारी जुटाई। इसके अलावा उन्होंने जहां कम उपस्थिति पाई गई वहां बच्चों की उपस्थिति और नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए।

सोसायटी का निरीक्षण, ई-टोकन से उर्वरक वितरण के दिए निर्देश; किसानों को वितरित किया उन्नत उड़द बीज

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ वर्ष 2026 की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जिले में लगातार क्षेत्रीय भ्रमण, सोसायटी निरीक्षण तथा किसानों के बीच उन्नत बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उपसंचालक कृषि श्री सचिन जैन ने गुरुवार को विकासखंड नटेरन के ग्राम एंचदा स्थित प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति (सोसायटी) का निरीक्षण कर उर्वरक वितरण व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सोसायटी में उपलब्ध उर्वरक स्टॉक एवं गोदाम की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने समिति प्रबंधक को निर्देश दिए कि किसानों को उर्वरक का वितरण केवल ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से किया जाए तथा वितरण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सुव्यवस्थित रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान को अनावश्यक परेशानी या प्रतीक्षा का सामना नहीं करना पड़े तथा सभी पात्र किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराया जाए।

इसी क्रम में ग्राम आमखेड़ा कालू में कृषि विभाग द्वारा आईटीसी ई-चौपाल के सहयोग से उड़द मिनीकिट बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री जगदीश गुर्जर ने किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले उड़द बीज वितरित किए।

इस अवसर पर क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी श्री राघवेंद्र अहिरवार, आईटीसी के श्री मनोज शर्मा, जिला पंचायत प्रतिनिधि, सरपंच, जनपद सदस्य एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि खरीफ सीजन की समय पर बुवाई सुनिश्चित करने तथा उड़द की उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे उत्पादन में वृद्धि होने के साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई।

डॉक्टर्स डे पर नागदा में चिकित्सकों का हुआ सम्मान, मानव सेवा के प्रति समर्पण को किया नमन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर ग्राम नागदा स्थित चिरायु हॉस्पिटल द्वारा क्षेत्र के चिकित्सकों के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए चिकित्सकों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया तथा समाज के प्रति उनके अमूल्य एवं अविस्मरणीय योगदान की सराहना की गई।

समारोह में मुख्य रूप से डॉ. महेश जोशी वरिष्ठ चिकित्सक कानवन , डॉ. गोपाल सिंह ठाकुर (अध्यक्ष, डॉक्टर्स एसोसिएशन, बदनावर), डॉ. शशांक जायसवाल (मेडिकल ऑफिसर, पीएचसी कानवन), डॉ. वी.के. पुरोहित (नागदा), डॉ. कुरैशी एवं डॉ. के.के. पाटीदार मंचासीन रहे।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि चिकित्सक केवल एक पेशेवर नहीं, बल्कि मानवता की सेवा के सबसे बड़े साधक हैं। वे दिन-रात मरीजों की सेवा कर समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वक्ताओं ने कहा कि डॉक्टरों का समर्पण, सेवा भावना और संवेदनशीलता समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चिरायु हॉस्पिटल के संचालक डॉ. राजेश जाट ने की। संचालन डॉ. ब्राउनी जायसवाल ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. राजेश जोगी (नागदा) ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर डॉ. सोहन आवलिया, डॉ. अजय चावड़ा (कानवन), डॉ. कृष्णपाल शेखावत, डॉ. बी.एस. सोलंकी (बखतगढ़), डॉ. उज्ज्वल राय, डॉ. पी.सी. कश्यप (धारसीखेड़ा), डॉ. शैलेश जायसवाल, डॉ. शशांक जायसवाल, डॉ. मनीष जोशी, डॉ. सुनील कुमावत, डॉ. प्रदीप गामी, डॉ. अजय काग, डॉ. अरुण श्रीवास्तव, डॉ. नरेंद्र गढ़वाल, डॉ. सोहन चौहान, डॉ. निहाल शाक्य, डॉ. निलेश पाटीदार, डॉ. प्रशांत चावड़ा, डॉ. प्रमोद जाट एवं डॉ. हर्षवर्धन सिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उपस्थित चिकित्सकों ने इस सम्मान को अपने सेवा कार्यों के प्रति समाज के विश्वास और सम्मान का प्रतीक बताते हुए भविष्य में भी पूरी निष्ठा के साथ जनसेवा करने का संकल्प व्यक्त किया।

राजस्थान से मनासा आकर छिपे इस बदमाश ने 28 जून की रात को दिया था बड़ी वारदात को अंजाम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संपत्ति संबंधी अपराधों और चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मनासा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए महज 30 घंटे के भीतर चोरी गया 8 लाख 60 हजार रुपये कीमत का ट्रैक्टर शत-प्रतिशत बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। यह पूरी कार्रवाई नीमच जिला पुलिस कप्तान राजेश व्यास के कुशल दिशा-निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती हेमलता अग्रवाल एवं अनुविभागीय अधिकारी (मनासा) श्रीमती शाबेरा अंसारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी श्री निलेश अवस्थी के नेतृत्व में अंजाम दी गई।

यह था मामला- फरियादी का लाल रंग का महिंद्रा कंपनी का युवो टेक प्लस 575 ट्रैक्टर दिनांक 28-29 जून की दरमियानी रात को अज्ञात बदमाश चुरा ले गए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर 30 जून को थाना मनासा में अपराध क्रमांक 319/26 धारा 303 (2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी।

यूं दबोचा आरोपी- विवेचना के दौरान थाना प्रभारी निलेश अवस्थी ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। सटीक सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी राहुल पिता कमल सिंगार (जाति भील, उम्र 20 साल, निवासी बईडा, तह. किशनगढ़, थाना पाटन, जिला बांसवाड़ा, राजस्थान, हाल मुकाम- भाटखेड़ी बुजुर्ग, थाना मनासा) को गिरफ्तार किया गया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने ट्रैक्टर चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया लाल रंग का महिंद्रा युवो टेक प्लस 575 ट्रैक्टर मय सीड्रिल (कुल कीमत करीब 8,60,000 रुपये) शत-प्रतिशत बरामद कर लिया है।

इनकी रही कार्यवाही- इस त्वरित और सफल कार्रवाई में विवेचक व थाना प्रभारी निलेश अवस्थी, उप निरीक्षक तेजसिंह सिसोदिया, सउनि दिलीप कुमार कलमोदीया, प्रधान आरक्षक नरेंद्र मालवीय, आरक्षक ईश्वर चौहान, आरक्षक पिंकेश मोगिया और आरक्षक विनोद भाटी की मुख्य व सराहनीय भूमिका रही।

कोरोना के योद्धा बने बीएमओ

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत उन्हेल नागदा खाचरोद के प्रभारी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के पद पर डॉक्टर संजीव कुमार को नियुक्त किया है इनकी नियुक्ति होने पर स्वास्थ्य में काफी सुधार आएगा एवं मरीज को हर सुविधाओं का लाभ मिलेगा इन्होंने काफी पहले भी प्रभार संभाल रखा था उसके बाद इन्होंने भोपाल और उज्जैन में अपनी सेवाएं देते हुए अब फिर से इस क्षेत्र में अपनी सेवाएं देंगे इनकी सेवा के कारण ही उन्हेल में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नया बना और नागदा का सिविल अस्पताल की भी मंजूरी हुई थी उनकी सेवा करने का कार्य काफी प्रसिद्ध हे इनकी नियुक्ति पर सभी कर्मचारियों में खुशी की लहर है और फिर से उन्हेल में संचालित हो रही थी कुपोषित बच्चों की एनआरसी जो नागदा चली गई उस सुविधा फिर से उन्हेल चालू हो ताकि उन्हेल के आस पास के ग्रामीण ओर शहर के बच्चों को तकलीफ नहीं आए।

आयु सीमा की बंदिशों से बच्चों का भविष्य अधर में: शिक्षा विभाग की स्पष्ट नीति के इंतजार में अभिभावक परेशान

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा के अधिकार और सर्व शिक्षा के सरकारी दावे उस समय खोखले साबित होते नजर आ रहे हैं, जब मात्र आयु सीमा की बाध्यता के कारण बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है। प्रदेश भर के स्कूलों में प्रवेश के लिए उम्र की अनिवार्यता को लेकर मची जद्दोजहद से अभिभावक खासे चिंतित हैं।

तीन महीने कम उम्र होने पर प्रवेश से इनकार -मामला कक्षा 9वीं में प्रवेश का है, जहाँ आठवीं कक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण करने के बावजूद एक बालिका महज इसलिए स्कूल जाने से वंचित है क्योंकि वह 13 वर्ष की आयु पूर्ण करने में अभी तीन महीने पीछे है। छात्रा की वर्तमान आयु 12 वर्ष 8 महीने है और वह अक्टूबर में 13 वर्ष की होगी। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि ऊपर से स्पष्ट आदेश नहीं मिलने के कारण वे एडमिशन नहीं ले सकते, जिससे छात्रा का शैक्षणिक सत्र खराब होने का डर सता रहा है।

अभिभावकों की मांग- पिछले सत्र की तरह मिले छूट- अभिभावकों का कहना है कि बीते सत्र 2024-25 में सरकार ने छात्रों के भविष्य को देखते हुए आयु सीमा में 5 माह की विशेष छूट दी थी। अब वही स्थिति फिर बनी है, लेकिन इस बार आदेशों के इंतजार में देरी की जा रही है। निजी स्कूलों की भारी-भरकम फीस भरने में असमर्थ मध्यमवर्गीय परिवार अब सरकारी व्यवस्था के आगे बेबस हैं। अभिभावकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि शिक्षा की मुख्यधारा से बच्चों को जोड़ने के लिए पिछले सत्र की भांति इस वर्ष भी आयु सीमा में छूट को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए, ताकि किसी भी मेधावी बच्चे का साल बर्बाद न हो।

क्या आप इस विषय पर किसी अधिकारी को पत्र लिखने या इस समस्या को और अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने में मेरी सहायता चाहते हैं?

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत आलोट में साइबर सुरक्षा जागरूकता, क्विज प्रतियोगिता एवं सीपीआर प्रशिक्षण का आयोजन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा संचालित ÷सेफ क्लिक 2.0÷ साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विवेक कुमार लाल के निर्देशन, एसडीओपी श्रीमती पल्लवी गौर के नेतृत्व एवं थाना प्रभारी मुनेन्द्र गौतम के मार्गदर्शन में थाना आलोट पुलिस द्वारा विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

थाना आलोट के उप निरीक्षक मनोज पाटीदार, उप निरीक्षक आर.सी. खड़िया, प्रधान आरक्षक राहुल राठौर, आरक्षक लोकेंद्र शर्मा, आरक्षक ईश्वरसिंह एवं महिला आरक्षक अनिता जाटव द्वारा सांदीपनी विद्यालय, आलोट में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एसडीओपी श्रीमती पल्लवी गौर ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए साइबर सुरक्षा संबंधी प्रश्नों का संतोषजनक एवं सरल भाषा में उत्तर दिया तथा सेफ क्लिक 2.0 अभियान एवं साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उप निरीक्षक मनोज पाटीदार ने विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए विशेष रूप से बालिकाओं को सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी, फोटो अथवा अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की समझाइश दी।

कार्यक्रम में टीओटी प्रशिक्षक श्री आदित्य सेन, श्री दिनेश सोलंकी एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री फिरोज खान की विशेष उपस्थिति रही। यह आयोजन पुलिस अकादमी भौरी, भोपाल में प्राप्त टीओटी प्रशिक्षण के आधार पर स्कूल शिक्षा विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त सामुदायिक पुलिसिंग प्रयास के रूप में संपन्न हुआ।

जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर सुरक्षा विषय पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के दौरान आरक्षक लोकेंद्र शर्मा द्वारा विद्यार्थियों से साइबर सुरक्षा से संबंधित रोचक प्रश्न पूछे गए, जिनका सही उत्तर देने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में उप निरीक्षक प्रमोद राठौर एवं आरक्षक मुकेश द्वारा ग्राम पालनगरा में ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित डिजिटल लेनदेन एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपायों की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

साथ ही उन्हेल-नागेश्वर रोड स्थित एक्सीडेंटल स्पॉट पर राहगीरों को सीपीआर का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा सड़क दुर्घटना में घायलों की सहायता के लिए संचालित राहवीर योजना की जानकारी भी दी गई।

थाना प्रभारी मुनेन्द्र गौतम ने बताया कि थाना क्षेत्र में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार विद्यालयों, ग्रामों एवं सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साइबर अपराधों को होने से रोकने तथा नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करने के लिए थाना आलोट पुलिस द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस विभाग द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक बनाना, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना तथा सड़क दुर्घटनाओं के दौरान समय पर प्राथमिक उपचार एवं मानवीय सहायता के लिए प्रेरित करना है।

बड़ी चौपाटी से बड़नगर मार्ग पर अधूरे निर्माण को लेकर विधायक भंवरसिंह शेखावत सख्त, PWD को लिखा पत्र

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा क्षेत्र बदनावर के विधायक भंवरसिंह शेखावत ने क्षेत्र की जनता को हो रही परेशानियों को देखते हुए लोक निर्माण विभाग के प्रति सख्त रुख अपनाया है। विधायक शेखावत ने अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग, उप संभाग बदनावर को एक आधिकारिक पत्र लिखकर बड़ी चौपाटी से बड़नगर मार्ग पर लंबे समय से अधूरे पड़े सड़क एवं नाली निर्माण कार्य को युद्धस्तर पर पूरा कराने की मांग की है।

विधायक द्वारा लिखे गए पत्र के अनुसार, लोक निर्माण विभाग द्वारा इस मार्ग पर लगभग 1.50 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया था। लेकिन अत्यंत खेद का विषय है कि यह कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है। वर्तमान में वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के कारण स्थिति और अधिक चिंताजनक हो गई है। मार्ग पर वर्षा जल निकासी के लिए बनाई जा रही नालियों का निर्माण भी अपूर्ण है, जिसके चलते पूरी सड़क पर जलभराव और कीचड़ की स्थिति निर्मित हो रही है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि इस लापरवाही के कारण क्षेत्र के रहवासियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और आमजन को प्रतिदिन आवागमन में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कीचड़ और गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, जिससे स्थानीय नागरिकों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। निर्माण कार्य में हो रहे इस अनावश्यक विलंब से आमजन में व्यापक असंतोष व्याप्त है।

जनहित को ध्यान में रखते हुए विधायक भंवरसिंह शेखावत ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे तत्काल मौके का निरीक्षण करें। इसके साथ ही संबंधित कार्यदायी संस्था (ठेकेदार) को आवश्यक निर्देश जारी कर सड़क और नाली निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर प्रारंभ करवाएं। उन्होंने विशेष रूप से हिदायत दी है कि कार्य की गुणवत्ता और समय-सीमा का पूरा ध्यान रखा जाए ताकि मार्ग को यथाशीघ्र सुरक्षित कर सुचारू आवागमन के लिए खोला जा सके।

सेफ़ क्लिक 2.0 के सम्बन्ध मैं सायबर फ्रोड से बचने के सम्बन्ध मैं जानकारी प्रदान की गई

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना उन्हेल के साईनाथ कॉन्वेंट हाईस्कूल मैं आज सेफ़ क्लिक 2.0 के सम्बन्ध मैं उन्हेल थाना प्रभारी श्री संतोष चौहान सर ने उक्त स्कूल के स्टाफ व स्टूडेंस को सायबर फ्रोड से बचने के सम्बन्ध मैं जानकारी प्रदान की गई पुलिस स्टाफ से थाना प्रभारी संतोष चौहान अपने पुलिस स्टाफ कृपा शंकर शर्मा , विक्रम राघव , महिला आरक्षक नर्मदा पंवार उपस्थित रहे।

साइबर क्राइम 2.0 अभियान के तहत सांदीपनि विद्यालय में जागरूकता कार्यशाला आयोजित

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस थाना बदनावर द्वारा साइबर क्राइम 2.0 अभियान के अंतर्गत शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बदनावर में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना बदनावर से एएसआई श्री उमेश सोनगरा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ व्याख्याता श्रीमती आरती उपाध्याय के स्वागत उद्बोधन एवं अतिथि स्वागत के साथ हुआ। तत्पश्चात भोपाल से साइबर सिक्योरिटी का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त व्याख्याता श्रीमती शुभ्रा वर्मा ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के बढ़ते स्वरूप, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

अपने प्रेरक उद्बोधन में एएसआई श्री उमेश सोनगरा ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने का संदेश देते हुए कहा कि मोबाइल का सदुपयोग करें, किंतु उसके गुलाम न बनें। उन्होंने विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक न करने, किसी भी अपरिचित व्यक्ति को ओटीपी, बैंक पिन अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक का डिजिटल रूप से जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों ने पूरे कार्यक्रम को गंभीरता एवं तन्मयता के साथ सुना।

इस अवसर पर पुलिस विभाग से आरक्षक श्री मनीष, श्री हर्ष, श्री प्रभु एवं श्री विवेक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्री प्रदीप पांडेय ने प्रभावी ढंग से किया तथा। अंत में विद्यालय के प्राचार्य श्री रियाजुद्दीन शेख ने सभी अतिथियों एवं पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि विद्यालय की तीन व्याख्याता– श्रीमती आरती उपाध्याय, श्रीमती ललिता अलंसे एवं श्रीमती शुभ्रा वर्मा जो स्थानांतरण उपरांत आज कार्यमुक्त हो रही थीं, उन्होंने अपने अंतिम कार्यदिवस पर भी पूर्ण निष्ठा, कर्तव्यपरायणता एवं समर्पण के साथ इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर विद्यार्थियों के प्रति अपने उत्तरदायित्व का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।

खराब सोयाबीन बीज से किसानों को भारी नुकसान, दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो होगा बड़ा आंदोलन - भारतीय किसान एवं मजदूर सेना

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के किसान श्री मनोहर गेहलोत द्वारा खरीदे गए सोयाबीन बीज के अंकुरण नहीं होने का गंभीर मामला सामने आया है। किसान द्वारा संकल्प रिटेल स्टोर, देपालपुर से कुबेर सीड्स एंड बायोटेक कंपनी का सोयाबीन बीज (किस्म छुस-2303) खरीदा गया था, जिसकी बुवाई करने के बाद भी खेत में अंकुरण नहीं हुआ। किसान के अनुसार खेत में पर्याप्त नमी एवं अनुकूल मौसम होने के बावजूद बीज जमीन में सड़ गया, जिससे उसे भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

किसान ने संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर बीज विक्रेता एवं कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई तथा हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है। शिकायत के साथ बीज की पैकिंग, खरीद बिल एवं अन्य दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए हैं। यह मामला बीजों की गुणवत्ता, प्रमाणन प्रक्रिया तथा किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे कृषि आदानों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

भारतीय किसान एवं मजदूर सेना के प्रदेश अध्यक्ष बबलू जाधव, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र पटेल, प्रदेश सचिव चंदन सिंह बड़वाया एवं जिला अध्यक्ष प्रवीण ठाकुर ने इस मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि यदि जांच में बीज की गुणवत्ता में कमी या कंपनी एवं विक्रेता की लापरवाही सिद्ध होती है तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए तथा प्रभावित किसान को हुए आर्थिक नुकसान का उचित मुआवजा तत्काल दिलाया जाए।

संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में लगातार किसानों को खराब बीज, खाद एवं कृषि आदानों की शिकायतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे किसानों की मेहनत और पूंजी दोनों बर्बाद हो रही हैं। यदि प्रशासन द्वारा इस मामले में शीघ्र एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो भारतीय किसान एवं मजदूर सेना किसानों के हित में चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन एवं संबंधित विभाग की होगी।

संगठन ने मांग की है कि कृषि विभाग तत्काल खेत निरीक्षण कराकर बीज के नमूनों की जांच करवाए, दोषी कंपनी एवं विक्रेता पर कार्रवाई करे तथा प्रभावित किसान को उचित मुआवजा दिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित करे

दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन छात्राओं ने बढ़ाया आत्मविश्वास, नई मित्रों से परिचय और प्रयोगशालाओं का किया भ्रमण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीताराम जाजू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम का द्वितीय दिवस उत्साह, सीख और नई शुरुआत के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, उपलब्ध संसाधनों और विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत आइस-ब्रेकिंग सत्र से हुई, जिसमें छात्राओं ने एक-दूसरे से परिचय स्थापित करते हुए नई मित्र बनाई। इस गतिविधि के दौरान प्रत्येक छात्रा ने अपनी नई मित्र के बारे में पांच महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं और बाद में सभी के समक्ष उनका परिचय प्रस्तुत किया। इस सत्र से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा तथा आपसी संवाद और सहभागिता को नई दिशा मिली। आइस-ब्रेकिंग सत्र का संचालन प्रो. नेहा इंग्लै ने किया। इसके बाद छात्राओं को महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। संबंधित प्राध्यापकों ने उन्हें विषयवार अध्ययन, प्रयोगात्मक कार्यों तथा शैक्षणिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी, जिससे छात्राएं महाविद्यालय की शिक्षण व्यवस्था से परिचित हो सकीं।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रतिभा कालानी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण चरण भी है। प्रवेश प्रभारी डॉ. हीर सिंह राजपूत ने बताया कि दीक्षारंभ कार्यक्रम के आगामी दो दिनों में छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य, नई शिक्षा नीति, आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली तथा बहुविषयक अध्ययन विकल्पों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

विकासखंड स्तरीय बावड़ी उत्सव एवं संगोष्ठी कार्यक्रम उमड़ा जनसैलाब

विकासखंड स्तरीय बावड़ी उत्सव एवं संगोष्ठी (जल गंगा संवर्धन अभियान समापन समारोह)

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोलाना गार्सिया घाट, शाजापुर एवं कुशवाह जी की बावड़ी, काशीनगर, जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तीन माह तक संचालित विभिन्न गतिविधियों के सफल समापन के अवसर पर विकासखंड शाजापुर में विकासखंड स्तरीय बावड़ी उत्सव एवं संगोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शासकीय अधिकारियों, जन अभियान परिषद के पदाधिकारियों, प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्था, परामर्शदाताओं, छ्ब्स्छ्क विद्यार्थियों एवं नगरवासियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संदीप जी राठौर (किशोर न्याय बोर्ड सदस्य, शाजापुर), श्री सुभाष जी मंडलोई (लघु उद्योग भारतीय, मालवा प्रांत सह सचिव), श्री नवीन जी वर्मा (बाल कल्याण समिति अध्यक्ष, शाजापुर), श्री दिलीप चौधरी (मंडल महामंत्री, बेरछा), श्री मुकेश सोलंकी (जनपद कार्यालय, शाजापुर) तथा श्री बसंत रावत (ब्लॉक समन्वयक, शाजापुर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्वागत सामग्री भेंट कर सम्मान किया गया।कार्यक्रम संबोधित करते श्री बसंत रावत ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तीन चरणों में विकासखंड शाजापुर में किए गए व्यापक जनजागरण एवं श्रमदान कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पानी प्याऊ स्थापना, कलश यात्रा, दीवार लेखन, निबंध लेखन प्रतियोगिता, संगोष्ठियां, ग्राम चौपाल, श्रमदान, नदी एवं जल स्त्रोत पूजन, बोरी बंधान, वृक्ष पूजन, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, दीपदान, जनजागरूकता रैलियां सहित अनेक रचनात्मक गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समितियां, नवांकुर संस्थाएं, परामर्शदाता एवं छ्ब्स्छ्क छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उन्होंने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि जन-जन का आंदोलन बनना चाहिए।

अनुभव कथन के अंतर्गत प्रस्फुटन समिति के श्री राजेंद्र जी ने अपने ग्राम में किए गए श्रमदान, जल स्रोत संरक्षण एवं जनजागरूकता गतिविधियों का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि सामूहिक प्रयासों से समाज में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हुई है। सुश्री तृप्ति मिश्रा ने भी अभियान से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी को जल संरक्षण की सफलता का आधार बताया।अतिथि उद्बोधन

श्री दिलीप चौधरी ने कहा कि जल ही जीवन का मूल आधार है। यदि आज हम जल स्त्रोतों का संरक्षण नहीं करेंगे तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से वर्षा जल संचयन एवं पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

श्री संदीप जी राठौर ने कहा कि जल संरक्षण सबसे बड़ी सामाजिक एवं पर्यावरणीय आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि भविष्य में जल का महत्व और अधिक बढ़ेगा, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझना होगा। उन्होंने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान समाज में जागरूकता के साथ-साथ जनसहभागिता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने युवाओं से जल स्त्रोतों के संरक्षण, पौधारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया।

श्री सुभाष जी मंडलोई ने कहा वर्षा जल संचयन की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक परिवार एवं प्रत्येक संस्था वर्षा के जल का संग्रहण प्रारंभ कर दे तो भविष्य में जल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने जल के विवेकपूर्ण उपयोग, भू-जल पुनर्भरण तथा पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

श्री नवीन जी वर्मा ने कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं बल्कि समस्त जीव-जगत का आधार है। उन्होंने जल संरक्षण को सामाजिक दायित्व बताते हुए सभी से अपने घर, गांव एवं नगर में जल बचाने की आदत विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं।

संगोष्ठी के उपरांत नगर स्थित कुशवाह जी की बावड़ी, काशीनगर में भव्य बावड़ी उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर बावड़ी को दीपों, रंगोली, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था, पुष्पों एवं झालरों से सुसज्जित किया गया। अतिथियों एवं उपस्थित नागरिकों द्वारा विधि-विधान से बावड़ी पूजन एवं आरती संपन्न की गई। बावड़ी की सीढ़ियों पर दीप प्रज्वलित कर जल संरक्षण एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का अद्भुत संदेश दिया गया। दीपों की अलौकिक छटा ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम में परामर्शदाता बहादुर जी सोलंकी, महेन्द्र जी वर्मा, हर्षवर्धन सिंह, विनय सेना, यशवंत सिंह, वार्ड पार्षद मुकेश दुबे, प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि, छ्ब्स्छ्क छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री घनश्याम नागर द्वारा किया गया तथा अंत में श्री बहादुर जी सोलंकी ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित जनसमुदाय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जल संरक्षण का संकल्प लेने का आग्रह किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सुसनेर सिविल अस्पताल में 2 से 8 जुलाई तक निःशुल्क टीबी जांच शिविर

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिविल अस्पताल सुसनेर में टीबी के संभावित मरीजों के लिए विशेष जांच शिविर लगाया जा रहा है। बीएमओ डॉ बीबी पाटीदार के अनुसार 2 जुलाई से 8 जुलाई तक अस्पताल में निःशुल्क जांच एवं एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध रहेगी। डॉ पाटीदार ने बताया कि यदि परिवार में किसी व्यक्ति को 15 दिनों से अधिक की खांसी होना, लंबे समय से बुखार आना, शरीर का वजन कम होना, भूख कम लगना, खंखार में खून आना, सीने में दर्द आदि लक्षण हो तो वह तुरंत अपनी जांच कराएं। इस प्रकार के लक्षण वाले व्यक्तियों और उनके संपर्क में रहने वाले लोगों की सिविल अस्पताल सुसनेर में विशेष जांच की जाएगी। एक्स-रे एच एच मशीन द्वारा निःशुल्क एक्स-रे भी किया जाएगा। जाँच के लिए सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक अस्पताल पहुँचकर अपनी जाँच अवश्य कराए। बीएमओ की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि टीबी के लक्षण दिखने पर लापरवाही न बरतें। समय पर जांच और इलाज से टीबी पूरी तरह ठीक हो सकती है। नागरिकों से इस निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

जिले में अब तक औसत 155 मि.मी. वर्षा दर्ज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में चालू वर्षाकाल के दौरान अब तक औसत 155 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इस अवधि में औसत 262.5 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख नीमच से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में एक जून से इस वर्ष अब तक नीमच में 176.0 मि.मी., जावद में 150 मि.मी., सिंगोली में 162.2 मि.मी. एवं मनासा में 132 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई हैं। जबकि गत वर्ष इस अवधि में नीमच में 265.6 मि.मी.जावद में 266.0 मि.मी., सिंगोली में 333.4 एवं मनासा में 185 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

सिंगोली तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल के स्थानांतरण पर नायब तहसीलदार व कर्मचारियों ने दी विदाई

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा राजस्व विभाग के कर्मचारियों के स्थानांतरण किए हैं। इसके तहत सिंगोली तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल का स्थानांतरण नीमच जिले की सिंगोली तहसील से मंदसौर कर दिया है।

गुरुवार को तहसील कार्यालय में बिदाई समारोह के दौरान सभी अधिकारी , कर्मचारियों ने तहसीलदार श्री पटेल को साफा शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया इस अवसर पर उनके अच्छे काम को याद किया गया , स्टाफ ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और उनके कार्यकाल को सराहा।

स्थानांतरण होने पर राजस्व विभाग के नायब तहसीलदार, पटवारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम कर तहसीलदार श्री पटेल को विदाई दी। राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने तहसील कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तहसीलदार प्रेम शंकर पटेल को भावभीनी विदाई दी गई। जिसमे राजस्व विभाग से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए अधिकारियों ने उनसे जुड़े किस्से साझा किएतहसीलदार श्री पटेल ने भी सिंगोली क्षेत्र में अपने कार्यकाल के बारे में अपने विचार रखे ओर सभी राजस्व कर्मचारियों को एक सिख भी दी

तहसीलदार श्री पटेल ने अपनी बिदाई के दौरान राजस्व अधिकारी व कर्मचारियों से कहा कि दूर दराज से आने वाले किसानो के काम को कभी भी अटकाने का प्रयास नही करे, कोशिश करे कि उन्हें किसी काम के लिये आपके पास बार-बार नही आना पड़े ।

बाइक और वैन की आमने-सामने भिड़ंत, 24 वर्षीय युवक की मौत

ग्राम गोदना में पसरा मातम, वैन चालक का उपचार जारी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मदाना-सारंगपुर- शुजालपुर नेशनल हाईवे क्रमांक-41 पर गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे ग्राम अय्यपुर जोड़ के पास बाइक और वैन की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में ग्राम गोदना निवासी 24 वर्षीय अरुण पिता महेश राजपूत की मौत हो गई, जबकि वैन चालक घायल हो गया, जिसका उपचार सारंगपुर अस्पताल में जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अरुण राजपूत घरेलू सामान लेने के लिए सारंगपुर गए थे और वापस अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान अय्यपुर जोड़ के पास सामने से आ रही वैन से उनकी बाइक की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक संदीप यादव एवं पायलट शाहरुख खान ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल सारंगपुर सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने अरुण राजपूत को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल वैन चालक प्रहलाद सिंह पिता गणपत सिंह, निवासी मूड़ीखेड़ी (आष्टा) का उपचार जारी है।

दुर्घटना के बाद लगा जाम- हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए, जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर यातायात सुचारू कराया।

गांव में शोक की लहर- अरुण की मौत की खबर जैसे ही ग्राम गोदना पहुंची, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातम का माहौल है।

पुलिस कर रही जांच- पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक घायल वैन चालक का उपचार सारंगपुर अस्पताल में जारी था।

विकसित भारत गारंटी मिशन का शुभारंभ, ग्रामीण रोजगार और आजीविका को मिलेगी नई गतिः विधायक परिहार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं महाजीविका मिशन (ग्रामीण) का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नीमच जिले में भी ग्रामीण विकास एवं आजीविका सशक्तीकरण को लेकर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। नीमच विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भरभड़िया में आयोजित कार्यक्रम में मिशन के राष्ट्रीय शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा गया तथा ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और पंचायत पदाधिकारियों को मिशन की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं महाजीविका मिशन (ग्रामीण) का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करना, स्थायी आजीविका के साधनों को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। योजना के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि, स्वरोजगार को प्रोत्साहन, महिला सशक्तीकरण और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस रहेगा। साथ ही युवाओं को रोजगार से जोड़ने और गांवों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह मिशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार ऐसी योजनाएं लागू कर रही है, जिनका सीधा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं महाजीविका मिशन (ग्रामीण) विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मिशन से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे, युवाओं को गांवों में ही आजीविका के साधन मिलेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गांव आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे और हर परिवार की आय में वृद्धि होगी।

कार्यक्रम के दौरान मिशन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी साझा की गई। ग्रामीणों को बताया गया कि यह योजना रोजगार सृजन, स्वरोजगार, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण विकास को नई दिशा देने का कार्य करेगी। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकासोन्मुखी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा ग्रामीणों की अधिक से अधिक भागीदारी पर भी जोर दिया गया।

इस अवसर पर सरपंच संगीता सत्यनारायण पाटीदार, भाजपा महामंत्री सतीश यादव, ममता नागदा, विधायक प्रतिनिधि दीपक नागदा, जनपद सदस्य दशरथ पाटीदार, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरिफ खान, सरपंच गोपाल शर्मा, दिलीप पुरोहित, देवकिशन शर्मा, जितेंद्र माली, लालजी सेन, दानमचंद पटेल, प्रहलाद गुर्जर, बालमुकुंद पाटीदार, दुर्गाशंकर मेघवाल, गुड्डू जाट, राजेश पाटीदार सहित नीमच विधानसभा क्षेत्र के सभी सरपंच, सचिव, सहायक सचिव, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।

आदेश के इंतजार में बच्चों का भविष्य दाव पर, अनिश्चिता के चलते अभिभावक लगा रहे स्कूल के चक्कर

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा के अधिकारी और सरकार द्वारा किये जा रहे दावे अब खोखले नजर अ रहे हैं ज़ब मात्र उम्र के चककर मे बच्चों का भविष्य दाव पर लग रहा हैं अभिभावक इस बात को लेकर चिंतित हैं कि कही पूरा साल बचे का खराब न हो जाये वही बेपरवाह स्कूल प्रबंधन यह कह कर पल्ला झाड रहा कि आदेश नहीं आये हैं हम एडमिशन नहीं ले सकते मामला शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आलोट का है बता दे कि आठवीं मे अच्छे नबरो से पास एक बालिका महज इस बात से स्कूल जाने से वँचित हो रही हैं कि उसकी उम्र 13 साल कि नहीं हुई वह मात्र तीन महीने के चककर मे शिक्षा के अधिकारी से वँचित कि जा रही हैं बालिका कि उम्र 12 साल आठ महीने हैं और अक्टूबर मे 13 साल होंगे,जबकि सरकार द्वारा सत्र 2024-25 मे आयु सीमा मे छूट दीं गई थी पिछले साल भी अभिभावक और विधार्थियों के इस परेशानी और भविष्य को देखते हुए सरकार द्वारा पांच माह कि छूट दीं गई थी क्या बार बार शिक्षा विभाग और सरकार को यह परेशानी बतानी पड़ेगी या हर साल नये नियम के इंतजार मे छात्र स्कूल जाने से वंचित हो जायेंगे जहाँ प्राइवेट स्कूल कि भारी भरकम फीस देने मे सक्षम नहीं होने पर क्या बच्चे अपने अधिक से वँचिट रह जायेंगे प्रशासन को चाहिए कि स्कूल मे उम्र के लिहाज से किसी बच्चे का भविष्य न ख़राब हो जो छूट पिछले सत्र दीं वही आगे भी लागु कि जाये,मध्यमवर्गीय परिवार अब सरकारी व्यवस्था के आगे बेबस हैं। अभिभावकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि शिक्षा की मुख्यधारा से बच्चों को जोड़ने के लिए पिछले सत्र की भांति इस वर्ष भी आयु सीमा में छूट को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए, ताकि किसी भी मेधावी बच्चे का साल बर्बाद न हो।

सर्विस रोड पर दुकानों का कब्जा, बीच सड़क रुक रहीं बसें, राहगीर परेशान

अतिक्रमण और यातायात अव्यवस्था बनी बड़ी चुनौती, हर दिन जोखिम उठाने को मजबूर लोग

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर का डाक बंगला क्षेत्र इन दिनों अतिक्रमण और यातायात अव्यवस्था के कारण लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है।उज्जैनङ्कझालावाड़ नेशनल हाईवे की सर्विस रोड पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण और नियमों की अनदेखी के चलते राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के रहवासियों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि सर्विस रोड, जो सुगम आवागमन के लिए बनाई गई थी, अब कई स्थानों पर अतिक्रमण की चपेट में आ चुकी है। यदि समय रहते स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो किसी भी दिन बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सर्विस रोड के दोनों ओर कई व्यापारियों ने अपनी दुकानों का सामान, बोर्ड, होर्डिंग और बैनर सड़क तक फैला दिए हैं। इससे सड़क की चौड़ाई काफी कम हो गई है। वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों की मरम्मत करने वाले कुछ मैकेनिक बीच सड़क पर ही वाहन खड़े कर मरम्मत कार्य करते हैं। कई बार एक साथ कई वाहन सड़क पर खड़े रहने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। ऐसे में सामने से आने वाले वाहनों को निकलने में भारी परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है।

यह मार्ग नगर का अत्यंत व्यस्त और महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। इसी मार्ग पर पुलिस थाना, कृषि उपज मंडी, बिजली विभाग का कार्यालय, विश्राम गृह सहित कई सरकारी कार्यालय स्थित हैं। प्रतिदिन सैकड़ों अधिकारी-कर्मचारी, किसान, व्यापारी और आम नागरिक इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और अतिक्रमण हटाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है।

डाक बंगला चौराहे की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। कुछ समय पहले प्रशासन द्वारा सड़क किनारे लगे सब्जी ठेलों को हटाकर यातायात व्यवस्था सुधारने का प्रयास किया गया था, लेकिन यह कार्रवाई अधिक समय तक प्रभावी नहीं रह सकी। कुछ ही दिनों बाद फिर से ठेले सड़क किनारे लगने लगे और चौराहा पहले की तरह अव्यवस्थित हो गया। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को हर समय जाम जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है।समस्या का एक बड़ा कारण यात्री बसों का बीच सड़क पर रुकना भी है। निजी और यात्री बसों के चालक डाक बंगला चौराहे पर ही वाहन रोककर सवारियों को चढ़ाने और उतारने का कार्य करते हैं। बसों के अचानक रुकने से पीछे चल रहे वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। कई बार बसों के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग पर पूर्व में भी कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोगों की जान तक जा चुकी है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि नियमित रूप से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए, बसों के लिए निर्धारित स्टॉप सुनिश्चित किया जाए तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तो इस समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता है।

नगरवासियों ने जिला प्रशासन, नगर परिषद, पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े अधिकारियों से मांग की है कि डाक बंगला क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाया जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी तय करना मुश्किल होगा।

यशस्वी पेट्रोल पंप पर सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत थाना प्रभारी संतोष चौरसिया ने बड़ावदा स्थित यशस्वी पेट्रोल पंप पर कर्मचारियों एवं उपस्थित नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव संबंधी प्रशिक्षण दिया।

थाना प्रभारी चौरसिया ने बताया कि वर्तमान समय में ऑनलाइन ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक पासवर्ड, एटीएम पिन या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी अज्ञात लिंक, मैसेज या कॉल पर भरोसा न करें तथा बैंक के नाम से आने वाले संदिग्ध फोन कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी देने से बचें।

उन्होंने नागरिकों को मजबूत पासवर्ड रखने, सभी महत्वपूर्ण खातों में दो-चरणीय प्रमाणीकरण सक्रिय करने, केवल विश्वसनीय वेबसाइट एवं मोबाइल एप का उपयोग करने तथा किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान साइबर अपराधों के नए-नए तरीकों से अवगत कराते हुए लोगों से स्वयं सतर्क रहने और अपने परिवार एवं परिचितों को भी जागरूक करने का आह्वान किया गया। पुलिस ने संदेश दिया कि सावधान रहें, सतर्क रहें और सुरक्षित रहें।

इस अवसर पर प्रवीण व्यास, विनोद शंभू सिंह गुर्जर, जुगल गुर्जर, विनोद रामेश्वर गुर्जर, राकेश गुर्जर, धर्मेंद्र गुर्जर, किशोर गुर्जर, प्रकाश गुर्जर, विजय सिंह गुर्जर, पवन बैरागी, कमल गुर्जर, अनुराग, पप्पू गुर्जर, कमल (गुड्डू) गुर्जर, महेश राठौड़ सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

धार की भोजशाला मुक्ति आंदोलन में शामिल रहे शिवेंद्र तिवारी को किया गया सम्मानित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराजा भोज उत्सव समिति धार द्वारा भोजशाला मुक्ति आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले हैं तत्कालीन बजरंग दल के पदाधिकारीयों एवं उज्जैन विभाग संयोजक शिवेंद्र तिवारी का भोजशाला परिसर में सम्मान किया गया।

धार स्थित भोजशाला की मुक्ति के लिए विगत 700 वर्षों में कई आंदोलन हुए, उसी क्रम में 1996 में बजरंग दल के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया के नेतृत्व में धार में विशाल आंदोलन हुआ था। उक्त आंदोलन को दबाने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा हर संभव प्रयास किए गए थे।सैकड़ो पुलिसकर्मियों की तैनाती धार और धार पहुंचने के सभी रास्तों पर कर सभी रास्तों को रोक दिया गया था, लेकिन उक्त घेराबंदी को चकमा देते हुए श्री पवैया और अन्य पदाधिकारी 6 दिसंबर 1996 को धार पहुंचे थे। उस दौरान धार में तत्कालीन पुलिस द्वारा जमकर अत्याचार कर लाठीचार्ज, गोली चालान आदि किया गया था। उक्त आंदोलन के 30 वर्षों के बाद तत्कालीन बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया धार पहुंचे ,यहां उन्होंने मां वागदेवी की पूजा अर्चना कर हनुमान चालीसा के पाठ में सहभागिता कर भोजशाला परिसर का भ्रमण किया। इस मौके पर महाराजा भोज उत्सव समिति धार द्वारा भोजशाला मुक्ति अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करने वाले तत्कालीन बजरंग दल के पदाधिकारियो का सम्मान भी किया गया। भोजशाला परिसर में श्री पवैया ने तत्कालीन बजरंग दल के विभाग संयोजक शिवेंद्र तिवारी का सम्मान किया।यहां पर पवैया ने कहा कि जिस तरह अयोध्या का मामला कोर्ट से हल हुआ है उसी तरह धार का मामला भी हल हुआ है।आपने उन शहीदों को भी याद किया जिन्होंने अपना बलिदान दिया था।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

एप्पल के वॉइस असिस्टेंट पर धार्मिक पक्षपात का आरोप

उज्जैन में विरोध तेज-जय श्रीराम और जय माता दी पर जवाब नहीं- सलाम वालेकुम पर प्रतिक्रिया का दावा

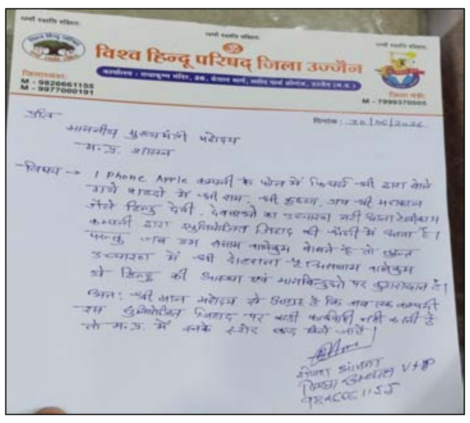
विश्व हिन्दू परिषद जिला उज्जैन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन में एप्पल के वॉइस असिस्टेंट सिरी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया है कि सिरी धार्मिक अभिवादनों पर समान प्रतिक्रिया नहीं देती। संगठनों ने इसे धार्मिक भेदभाव बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

इस मामले में ज्योतिषाचार्य पंडित पवन पाठक का दावा है कि उन्होंने 10 से 15 आईफोन पर सिरी की जांच की। उनके अनुसार, जय श्रीराम और जय माता दी बोलने पर सिरी कोई स्पष्ट जवाब नहीं देती, जबकि सलाम वालेकुम कहने पर तुरंत प्रतिक्रिया देती है। उन्होंने इसे एप्पल की डेटा फीडिंग में पक्षपात का मामला बताते हुए कहा कि भारत जैसे बड़े बाजार में सभी धर्मों के प्रति समान व्यवहार होना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष राजेश आंजना ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में एप्पल से इस तकनीकी व्यवस्था में सुधार कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि सुधार नहीं हुआ तो आईफोन के बहिष्कार का अभियान चलाया जाएगा। कुछ संगठनों ने प्रदेश में एप्पल स्टोर के संचालन पर भी सवाल उठाए हैं।

मामले को जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरी महाराज का भी समर्थन मिला है। स्थानीय आईफोन उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग ने भी तकनीक में किसी भी प्रकार के धार्मिक भेदभाव पर आपत्ति जताई है। फिलहाल एप्पल की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

दिल्ली से गिरफ्त में आया धोखाधड़ी का पांचवा आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर ठगी की राशि से गोल्ड खरीदी करने वाले गिरोह में शामिल बीटेक छात्र को दिल्ली से बुधवार को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया है। जिसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया। अब तक मामले में पांच आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

माधवनगर थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि 18 जून को नर्मदापुरम के रहने वाले कशिश पिता सुनील, राहुल उर्फ शानू पिता अरुण और अनिमेश उर्फ अनुराग उर्फ अन्नी पिता अभय को सखीपुरा स्थित होटल हीरा पैलेस में दबिश देकर गिरफ्तार किया था। तीनों ने शहर के चार ज्वेलर्स के यहां क्यूआर कोड से साइबर ठगी की राशि का ट्रांजेक्शन कर गोल्ड क्वाइन खरीदे थे। तीनों के गिरफ्त में आने पर उनके गिरोह से जुड़े साथियों की तलाश शुरू की गई थी। गिरोह में शामिल एक आरोपी की जानकारी मिलने पर एसआई सालगराम चौहान की टीम को दिल्ली रवाना किया गया था। जहां से प्रियांशु रंजन 22 वर्ष को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया है। वह कम्प्यूटर साइंस में बीटेक कर चुका है। वर्तमान में दिल्ली की एक कंपनी में ट्रेडिंग का काम कर रहा था। प्रियांशु मूलरूप से बिहार का रहने वाला है। उसे बुधवार दोपहर कोर्ट में पेश कर 3 जुलाई तक रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ में गिरोह से जुड़े अन्य साथियों की जानकारी सामने आ सकती है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उसे साइबर का कॉफी नॉलेज है। वह अंतर्राज्यीय स्तर पर लोगों के साथ ठगी करता था। रिमांड अवधि की पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है।

कई स्कूली वाहन नहीं कर रहे सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन

हेल्पलाइन नंबर तो दूर, संस्थाओं का नाम तक नहीं लिखे जा रहे गाडियों पर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में स्कूली वाहनों के संचालन में अभी भी लापरवाही नजर आ रही हैं। इस कारण बच्चों को खतरों के बीच अपना सफर करना पड रहा हैं।

उल्लेखनीय है कि लगभग 2 साल पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूली वाहनों को लेकर जो गाइडलाइन जारी की गई थी। उसका स्कूल पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसे स्कूली वाहन में बच्चे सफर कर रहे हैं, जिनकी फिटनेस पहले खत्म हो चुकी है। इसके बाद भी ऐसी बसों में नौनिहालों की जान खतरे में डालकर सफर कराया जा रहा है। स्कूल संचालकों को सख्त हिदायत हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जो गाइडलाइन जारी की है, उसका हर हाल में पालन करना होगा। इसके बाद भी नियमों को लेकर स्कूल संचालक, ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ नियमों का पालन कराने में असफल साबित हुए हैं। शहर में तमाम स्कूली वाहनों को नियम, गाइडलाइंस को तोड़ कर चलाया जा रहा हैं। हद तो यह है कि बसों पर स्कूलों के नाम तक नहीं हैं। केवल पीला रंग कर बसों का कालेज, स्कूली वाहन के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा हैं। कुछ दिन पहले यातायात पुलिस और आरटीओ का अमला स्कूली वाहनों की जांच के लिए सड़कों पर उतरा था और कई वाहनों के चालान भी बनाए थे। उसके बावजूद स्कूल वाहन चालक लापरवाही बरत रहे हैं।

हिरासत में ई-रिक्शा की बेटरी लॉक कर ठगी करने वाला युवक

यूट्युब से सीखा तरीका, चालू करने के नाम पर लेता था रूपये

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कुछ दिनों से चलती ई-रिक्शा अचानक बंद होने और कुछ देर बाद एक युवक द्वारा आकर चालू करने के नाम पर रूपये मांगने का मामला पुलिस के पास पहुंचते ही थाना पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम अलर्ट हो गई। बुधवार को बेटरी लॉक कर ठगी करने वाले को दबोच लिया गया। जिससे पूछताछ जारी है।

एएसपी आलोक शर्मा ने बताया कि कुछ ई-रिक्शा चालकों ने बताया था कि उनकी रिक्शा सूनसान रास्तों पर अचानक बंद होने के बाद कुछ युवक आकर चालू करने की बात कहते है और बदले में 200 से 300 रूपयों की मांग कर रहे है। उनके द्वारा रिक्शा चालू करने का वीडियो भी बनाया जा रहा है। चालकों ने यह भी बताया कि रिक्शा की बेटरी और सिस्टम को मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से प्रभावित किया जा रहा है। मामला सायबर ठगी से जुड़ा है। मामले में गंभीरता से जांच शुरू की गई और थाना पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच को अलर्ट किया गया। बुधवार शाम मामले में रिक्शा की बेटरी लॉक कर ठगी में शामिल एक युवक हिरासत में आ गया। जिसके खिलाफ नीलगंगा थाना पुलिस ने धोखाधड़ी और आईटी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि युवक रितेश पिता मदन भानूपा 18 साल निवासी भैरवगढ़ क्षेत्र का रहने वाला है। जिसके साथियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

यूट्युब पर देखा, प्ले स्टोर से किया डाउनलोड-ई-रिक्शा चालकों से ठगी करने वाले युवक से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उसने बेटरी लॉक करने का तरीका यूट्युब पर देखा था। वहीं से सीखा और प्ले स्टोर से बेट बीएमएस एप डाउनलोड किया। मोबाइल के माध्यम से एप से ब्लूटुथ लगी बेटरी को लॉक करता था। बताया जा रहा है कि उसने लोटी तिराहा पर भैरवगढ़ क्षेत्र के रहने वाले अजय चौधरी की रिक्शा की बेटरी को लॉक किया था। पुलिस अलर्ट थी पता चलते ही यातायात पुलिस की मदद से उसे पकड़ा गया। नीलगंगा थाना प्रभारी के अनुसार अजय चौधरी की शिकायत पर ठगी करने वाले युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

खाली आईसर से टकराई लोडिंग चालक घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार सुबह कनीपुरा मार्ग पर खड़ी आईसर से लोडिंग गाड़ी टकरा गई। चालक गंभीर घायल हुआ है। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची और घायल लोडिंग चालक को अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना ओवरटेक के दौरान होना सामने आई है।

बताया जा रहा है कि अहमदनगर में रहने वाला मोहम्मद मुस्तकीम कबाड़ का काम करता है और लोडिंग गाड़ी छोटा हाथी से आसपास के गांव से अटाला एकत्रित कर लाता है। सुबह लोडिंग लेकर वह कनीपुरा क्षेत्र की ओर जा रहा था।

रास्ते में खड़ी आईसर को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था उसी दौरान सामने से कार आ गई। जिससे बचने का प्रयास करते समय लोडिंग आईसर से टकरा गई।

मोहम्मद मुस्तकीम घायल हुआ है। चिमनगंज थाना पुलिस द्वारा घायल चालक को अस्पताल पहुंच कर जांच शुरू की गई है। बताया जा रहा है कि आईसर चालक रास्ते में अपनी गाड़ी खड़ी कर चाय नाश्ता करने चला गया था।

जिले के 277 हाई रिस्क गांवों में 1100 टीबी मरीजों की पहचान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में चल रहे 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान के दौरान जिले के 277 हाई रिस्क गांवों में टीबी मरीजों की पहचान की गई और उनका इलाज शुरू किया गया। चिकित्सा कौन है बताया कि पहचान किया जा चुके मरीजों को इलाज के साथ पोषण सहायता भी दी जा रही है। इसी कड़ी में डॉक्टर्स डे पर आज्ञा सामाजिक संस्था ने 30 टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरित किए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल की देखरेख में जिले के सभी 277 हाई रिस्क गांवों में 30 जून तक आयुष्मान आरोग्य शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। अभियान के दौरान अब तक करीब 26,500 लोगों के डिजिटल एक्स-रे किए गए हैं, जबकि लगभग 1,100 टीबी मरीजों की पहचान कर उनका नियमित उपचार शुरू किया गया है। शासन के निर्देशानुसार टीबी मरीजों को मुफ्त दवाओं के साथ पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डॉक्टर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में आज्ञा सामाजिक संस्था की ओर से डॉ. प्रिंस कुशवाह और मनीष बैरागी ने 30 फूड बास्केट स्वास्थ्य विभाग को सौंपे। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि आज्ञा सामाजिक संस्था पहले भी टीबी मरीजों की पोषण सहायता में सहयोग करती रही है। विभाग ने संस्था के इस सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

विक्रम विश्वविद्यालय के 280 पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश का मौका

प्रवेश की तिथि 20 जुलाई तक बढ़ाई- यूजी, पीजी, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में मेरिट के आधार पर प्रवेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 जुलाई कर दी है। विश्वविद्यालय की अध्ययनशालाओं और संस्थानों में संचालित करीब 280 स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया जारी है।

विद्यार्थी एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन और शुल्क जमा कर सकते हैं। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष भी सीयूईटी के माध्यम से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन किया है।

वहीं, रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश की प्रक्रिया भी समानांतर जारी है। फार्मेसी संस्थान में एम. फार्मा., बी. फार्मा. (लेटरल एंट्री) और डी. फार्मा. के रिक्त सीटों पर भी प्रवेश दिए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय में पत्रकारिता, प्रबंधन, वाणिज्य, कला, विज्ञान, कृषि, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, फूड टेक्नोलॉजी, फोरेंसिक साइंस, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, माइक्रोबायोलॉजी, शारीरिक शिक्षा सहित कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित हैं। वर्तमान में यहां देश के 25 से अधिक राज्यों और तीन देशों के विद्यार्थी अध्ययन एवं शोध कर रहे हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि सभी पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट और संबंधित अध्ययनशालाओं में उपलब्ध है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी 20 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य की गति बढ़ाएँ - संभागायुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ-2028 के तहत श्रद्धालुओं की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न विकास कार्य निर्माणाधीन हैं। निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा नियमित निरीक्षण कर निर्देश दिए जा रहे हैं।

बारिश से पहले अलर्ट मोड में पुलिस, पुल-पुलियाओं के खतरनाक क्षेत्रों की होगी पहचान

एसपी के निर्देश पर शहर व देहात के थाना प्रभारी करेंगे सर्वे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून के दौरान पुल-पुलियाओं पर होने वाले जलभराव से जनहानि रोकने के लिए उज्जैन पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। गुरुवार सुबह पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने शहर और देहात क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में संभावित जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

एसपी ने कहा कि विशेष रूप से उन पुलों, पुलियाओं और निचले इलाकों की पहचान की जाए, जहां तेज बारिश के दौरान पानी भरने से लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है। थाना प्रभारी ऐसे सभी संवेदनशील स्थानों का मौके पर जाकर निरीक्षण करेंगे और विस्तृत रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को सौंपेंगे। पुलिस इन रिपोर्टों के आधार पर बारिश के दौरान आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करेगी। जरूरत पड़ने पर ऐसे स्थानों पर बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड और पुलिस बल की तैनाती भी की जाएगी, ताकि लोग जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें और किसी भी प्रकार की दुर्घटना या जनहानि न हो। पुलिस का उद्देश्य मानसून के दौरान संवेदनशील स्थानों पर समय रहते सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना और नागरिकों की जान-माल की रक्षा करना है।

ग्राम अजड़ावदा के प्रगतिशील किसान श्री कौशिक खेती में कृषि और उद्यानिकी का संयुक्त प्रयोग कर रहे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। परंपरागत खेती को आधुनिक उद्यानिकी के साथ जोड़कर आय के विविध स्रोत विकसित करने की दिशा में बड़नगर के ग्राम अजडावदा में एक सराहनीय पहल की गई है। डॉ. योगेंद्र कौशिक द्वारा संचालित माँ मोढ़ेश्वरी कृषि फार्म में इस वर्ष पारंपरिक फसलों के साथ-साथ फ्लोरीकल्चर (पुष्प उत्पादन) की शुरुआत की गई है। वर्तमान में फार्म पर टेनिस बॉल गेंदा एवं सेवंती की खेती की जा रही है। डॉ. कौशिक के अनुसार, उनके बुजुर्ग हमेशा कहा करते थे कि हम खेती-बाड़ी करते हैं। इस सरल वाक्य में गहरा दार्शनिक अर्थ छिपा है। खेती का अर्थ पारंपरिक फसलें जैसे गेहूँ, चना, उड़द, मूंग, मेथी आदि है, जबकि बाड़ी उद्यानिकी एवं पुष्प फसलों को संदर्भित करती है। इन्हीं पूर्वजों की सीख को आत्मसात करते हुए फार्म पर कृषि एवं उद्यानिकी को एकीकृत कर किसानों के लिए फसल विविधीकरण का बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किया जा रहा है। यह पहल न केवल फार्म को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि जिले के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है। पुष्प उत्पादन से अतिरिक्त आय के साथ-साथ बाजार की मांग के अनुरूप फसल चयन, बेहतर संसाधन उपयोग और पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक आयाम जुड़े हुए हैं। जिला प्रशासन ऐसे नवाचारपूर्ण प्रयासों का स्वागत करता है और किसानों से अपील करता है कि वे भी पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी, फ्लोरीकल्चर, सब्जी उत्पादन एवं अन्य उच्च मूल्य वाली फसलों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि करें तथा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हों।

प्रेमी के साथ 3 साल बाद गांव रोटी महिला का निकाला जुलूस

बाल काटे-कपड़े फाड़े पहनाई जूते की माला, 3 हिरासत में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादीशुदा महिला प्रेमी के साथ भाग गई थी 3 साल बाद वापस गांव लूटी तो ससुराल वालों ने बाल काट दिए कपड़े फाड़ कर जूते की माला पहना दी और पूरे गांव में घूमने लगे। प्रेमी बीच बचाओ में आया तो उसका भी जुलूस निकाल दिया।

झारड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम अरनिया वेणा में रहने वाली महिला वर्ष 2023 में पति को छोड़ गांव के ही रहने वाले दूसरे युवक के साथ चली गई थी और प्रेम विवाह कर लिया था। जिसके चलते उसके ससुराल वाले काफी नाराज थे। प्रेम विवाह करने के बाद महिला प्रेमी के साथ 3 सालों तक बाहर रही कुछ दिन पहले ही गांव लौटी थी। इसकी जानकारी ससुराल पक्ष को मिली तो उन्होंने महिला को गांव वालों की मदद से मिलकर पकड़ा और बाल काट कर जूते चप्पल की माला पहना दी और गांव में जुलूस निकलने लगे। महिला से प्रेम विवाह करने वाले युवक को पता चला तो वह बीच बचाव करने पहुंचा गांव वालों ने उसके साथ भी मारपीट की ओर जूते चप्पल की माला पहनकर जुलूस में शामिल कर लिया। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को ब्यावरे करने वाले सुमेरसिंह, कचरूसिंह और बद्रीलाल को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी आनंद भामोर ने बताया कि मामले में 11 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

उज्जैन को मिलेगी नई पहचान, 200 हेक्टेयर में बसने जा रहा विश्वस्तरीय फॉरेस्ट जू

सिंहस्थ-2028 से पहले शुरू होगा पहला चरण- 300 से अधिक वन्यजीव प्रजातियों का बसेरा बनेगा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी उज्जैन अब केवल आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन तक सीमित नहीं रहेगी। आने वाले वर्षों में शहर को वन्यजीव पर्यटन की भी नई पहचान मिलने वाली है। नवलखी के आरक्षित वन क्षेत्र में करीब 200 हेक्टेयर भूमि पर विश्वस्तरीय फॉरेस्ट जू विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का पहला चरण सिंहस्थ-2028 से पहले शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। वन विभाग का दावा है कि यह देश के सबसे आधुनिक और प्राकृतिक स्वरूप वाले फॉरेस्ट जू में शामिल होगा।

उज्जैन वन मंडल के डीएफओ अनुराग तिवारी ने बताया कि परियोजना में 300 से अधिक वन्यजीव प्रजातियों को शामिल करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण से प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव राज्य शासन के पास भेजा गया है। मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। परियोजना को दो चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण में लगभग 60 हेक्टेयर क्षेत्र में इंडिया ज़ोन बनाया जाएगा। यहां केवल भारत में पाए जाने वाले वन्यजीव प्राकृतिक वातावरण में रखे जाएंगे। पर्यटकों के लिए ड्राइव-थ्रू सफारी, खुले प्राकृतिक बाड़े, प्रकृति भ्रमण मार्ग और आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि उन्हें जंगल में घूमने जैसा अनुभव मिल सके। दूसरे चरण में फॉरेस्ट ऑफ द वर्ल्ड थीम के तहत अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशिया के वन्यजीवों को शामिल किया जाएगा। इससे यह फॉरेस्ट जू अंतरराष्ट्रीय स्तर का आकर्षण बन सकेगा। परियोजना की खास बात यह होगी कि फॉरेस्ट जू के दो हिस्सों को जोड़ने के लिए 35 मीटर चौड़ा ग्रीन ओवरब्रिज और अंडरपास बनाया जाएगा। इस ओवरब्रिज पर पैदल पर्यटकों और बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक सफारी वाहनों के लिए अलग-अलग रास्ते होंगे। पूरे ब्रिज पर घने पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, ताकि वन्यजीवों के प्राकृतिक वातावरण पर किसी तरह का असर न पड़े और पर्यटकों को भी जंगल जैसा एहसास हो। फॉरेस्ट जू बनने के बाद उज्जैन में धार्मिक पर्यटन के साथ इको-टूरिज्म और वन्यजीव पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे शहर में पर्यटकों की संख्या बढ़ने के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। यह परियोजना उज्जैन को देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ग्राम पिपलियाहामा के किसान ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अपनाई रेज्ड बेड तकनीक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की घट्टिया तहसील के ग्राम पिप्लियाहामा के प्रगतिशील कृषक श्री अश्विनी सिंह चौहान (बालेन्दु बना) ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए रेज्ड बेड (मेढ़ एवं नाली) पद्धति की तकनीक को सफलतापूर्वक अपनाया है।

ग्राम पिप्लियाहामा में श्री आशापूर्णा कृषि फार्म के संचालक श्री अश्विनी सिंह चौहान, जो जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर से जुड़े रहे हैं, ने इस वर्ष अल्पवृष्टि की स्थिति को देखते हुए तथा बार-बार होने वाले जलभराव की समस्या को ध्यान में रखकर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख वैज्ञानिक की सलाह पर मेढ़ एवं नाली पद्धति वाली सीड ड्रिल खरीदी। उन्होंने इस यंत्र से इस वर्ष लगभग 25 एकड़ क्षेत्र में सोयाबीन की बुवाई शुरू की है।

इस तकनीक के प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं- अल्पवृष्टि में मेढ़ पर बनी नमी लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे फसल को पानी की कमी नहीं होती।

अतिवृष्टि की स्थिति में नालियों के माध्यम से अतिरिक्त जल आसानी से निकल जाता है, जिससे जलभराव और जड़ सड़न की समस्या समाप्त हो जाती है।

पौधे से पौधे एवं कतार से कतार की उचित दूरी बनाए रखने से फसल को पर्याप्त सूर्य प्रकाश मिलता है, प्रकाश संश्लेषण (फोटोसिंथेसिस) की प्रक्रिया बेहतर होती है तथा नाइट्रोजन की गाँठें अच्छी बनती हैं, जिससे अतिरिक्त नाइट्रोजन की आवश्यकता कम हो जाती है।

कीट-व्याधियों का प्रकोप भी काफी कम रहता है।

बीज की बचत, रासायनिक खादों का कम उपयोग तथा उत्पादन लागत में कमी के साथ आय में वृद्धि होती है।

श्री अश्विनी सिंह चौहान ने बताया कि, ÷हर वर्ष अतिवृष्टि से जलभराव की समस्या के कारण हमें बीमा कंपनियों से राशि के लिए गुहार लगानी पड़ती थी। इस नई तकनीक ने हमें इन समस्याओं से मुक्ति दिलाई है। यह सीड ड्रिल नरवाई वाले खेतों में भी बेहतर कार्य करती है।

प्रगतिशील कृषक श्री अश्विनी सिंह चौहान ने अन्य किसान भाइयों से अपील की है कि वे पहले छोटे क्षेत्र में इस रेज्ड बेड तकनीक को अपनाकर देखें। यह तकनीक अल्पवृष्टि और अतिवृष्टि, दोनों परिस्थितियों में फसल की सुरक्षा करती है और लाभदायक साबित हो रही है।

यह सफलता उज्जैन जिले में कृषि यंत्रीकरण और जलवायु-अनुकूल खेती की दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण है।

निर्माणाधीन रेलवे बिल्डिंग से गिरा मजदूर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर रोड पर बन रही रेलवे की निर्माणाधीन बिल्डिंग से मजदूर गिरकर घायल हो गया उसे ठेकेदार द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिमनगंज थाना क्षेत्र के आगर रोड पर रेलवे की बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां उत्तर प्रदेश के गोरखपुर का रहने वाला नितेश पिता सुजमन 29 वर्ष पुताई का कार्य करने के लिए आया हुआ था। पुताई के दौरान सीढ़ी का संतुलन बिगड़ने से जमीन पर गिरा जिसके चलते उसका एक हाथ फैक्चर हो गया। ठेकेदार राहुल अस्पताल लेकर पहुंचा जहां घायल मजदूर का उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार ठेकेदार गुजरात का रहने वाला है मामले की जांच की जा रही है इस बात का पता लगाया जा रहा है कि ठेकेदार द्वारा मजदूरों से कार्य करते समय पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए हैं या नहीं।

रामघाट पर श्रद्धालु को डूबने से बचाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कमांडेंट होमगार्ड श्री संतोष कुमार जाट ने बताया कि गुरुवार को रामघाट डीआरसी चौकी, थाना महाकाल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश से आए तीन श्रद्धालु रामघाट पर चौकी के सामने शिप्रा नदी में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान एक श्रद्धालु गहरे पानी में जाने से डूबने लगा। उसे बचाने के लिए हर्ष भी आगे बढ़े, लेकिन वे भी गहरे पानी में जाने पर डूबने लगे। इस दौरान उन्होंने नदी में लगी फ्लोटिंग बॉल को पकड़ लिया।